हिंदी

कक्षा 1

सत्र 2026–27

DIKSHA एप कैसे डाउनलोड करें?

विकल्प 1 : अपने मोबाइल ब्राउज़र पर diksha.gov.in/app टाइप करें।

विकल्प 2 : Google Play Store में DIKSHA NCTE ढूंढे एवं डाउनलोड बटन पर tap करें।

DIKSHA

मोबाइल पर QR कोड का उपयोग कर डिजिटल विषय वस्तु कैसे प्राप्त करें ?

DIKSHA App को लॉच करे → **App** की समस्त अनुमति को स्वीकार करें → उपयोगकर्ता **Profile** का चयन करें।

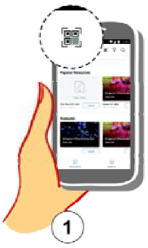

1 पाठ्यपुस्तक में QR Code को Scan करने के लिए मोबाइल में QR Code tap करें।

2 मोबाईल को QR Code पर केन्द्रित करें।

3 सफल Scan के पश्चात् QR Code से लिंक की गई सूची उपलब्ध होगी।

डेस्कटॉप पर QR Code का उपयोग कर डिजिटल विषय–वस्तु तक कैसे पहुँचे ?

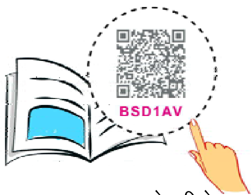

1 QR Code के नीचे 6 अंक का Alpha Numeric Code दिया गया है।

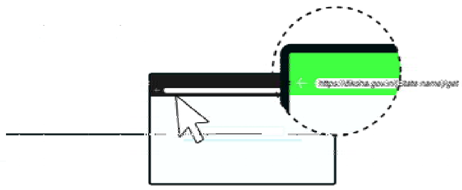

2 ब्राउज़र में diksha. gov.in/cg टाईप करें।

3 सर्च बार पर 6 डिजिट का QR CODE टाईप करें।

4 प्राप्त विषय–वस्तु की सूची से चाही गई विषय–वस्तु पर क्लिक करें।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर

यह पाठ्यपुस्तक शासकीय संपत्ति है। इसका क्रय–विक्रय अवैधानिक है। निःशुल्क वितरण हेतु

© राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर

प्रकाशन वर्ष – 2026

2RTLXH

मार्गदर्शक

संचालक

एस. सी. ई. आर. टी. छ. ग.,रायपुर

सहयोग

प्रो. रमाकांत अग्निहोत्री (दिल्ली विश्वविद्यालय)
डॉ. हृदयकांत दीवान (विद्या भवन, उदयपुर)
श्री रोहित धनकर (दिगंतर, जयपुर)

संयोजक

कौस्तुभ चटर्जी, डॉ.डी.के.बोदले

संपादक

श्री राजेन्द्र पाण्डेय, स्व. डॉ. सी.एल. मिश्रा

संपादन सहयोग

दानीराम वर्मा (से.नि.प्राचार्य), डॉ. आर.एस. चौहान (से.नि. प्राचार्य), डॉ.ओ.पी. मिश्रा (सचिव, राज्य शिक्षा आयोग), बी.आर. साहू (पूर्व फैकल्टी एस.सी.ई.आर.टी. भाषाविद्)

समन्वयक

नरेन्द्र कुमार जांगड़ें

लेखन–समूह

श्री राजेन्द्र पाण्डेय, श्रीमती सुधा खरे, श्री अनूप नाथ योगी, श्री सच्चिदानंद शास्त्री, श्री दुर्गेश वैष्णव, श्री छलिया वैष्णव, श्री शोभा शंकर नागदा, श्री रमेश शर्मा, श्री दिनेश गौतम, श्री विनय शरण सिंह, डॉ. राजेश शर्मा, रीता श्रीवास्तव, द्रोण साहू, पुष्पा शुक्ला, राजपाल कौर, लक्ष्मी सोनी, श्रीदेवी, मनोज चंद्राकर, मनोज साहू, खोजन दास डिडौरी कविता कोरी, भोला राम सिन्हा, डॉ.दिनदयाल यादव, खेमिन साहु

सहयोग

डॉ.डी.के.बोदले, श्री विनय शरण सिंह, श्री पोखन लाल जायसवाल

चित्रांकन

राजेन्द्र सिंह ठाकुर, रेखराज चौरागड़े, सुश्री अनीता वर्मा, मो. इकराम, श्री राजेश सेन

आवरण एवं ले आउट डिजाइनिंग

रेखराज चौरागड़े, हिमांशु वर्मा

प्रकाशक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर

मुद्रक

छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम, रायपुर (छ.ग.)

मुद्रणालय

मुद्रित पुस्तकों की संख्या – ....

राज्य शिक्षा स्थायी समिति

1.	श्री आलोक चक्रवाल कुलपति गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर	अध्यक्ष
2.	संचालक राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर	सदस्य सचिव
3.	संचालक लोक शिक्षण संचालनालय, छत्तीसगढ़	सदस्य
4.	मिशन संचालक समग्र शिक्षा, रायपुर छत्तीसगढ़	सदस्य
5.	डॉ. वासुदेव साहसी सहायक प्राध्यापक शास. जे. योगानंदम, छ.ग. महाविद्यालय, रायपुर	सदस्य
6.	डॉ. सुभाष चन्द्राकर प्राध्या., दुर्गा महाविद्यालय, रायपुर	सदस्य
7.	श्री मनीष देवांगन वि.खं. शिक्षा अधिकारी, कार्या. धरसींवा, जिला – रायपुर	सदस्य
8.	श्री नरेन्द्र सिंह राजपूत सहा. शिक्षक, प्राथ. विद्या. सिवनी खुर्द (बोडला), जिला–कबीरधाम	सदस्य
9.	श्री मनोज सिंह शा. शिक्षा महाविद्यालय, बिलासपुर	सदस्य
10.	श्री दिलीप केसरवानी पूर्व प्राचार्य, कबीर नगर, रायपुर	सदस्य

आमुख

छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के साथ ही यह आवश्यक हो गया था कि नवगठित राज्य के संदर्भ में शिक्षा के सरोकारों का पुनः निर्धारण किया जाए। आवश्यकता अनुसार पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तकों का नवीनीकरण किया जाए। प्रदेश की इसी आवश्यकता को ध्यान में रखकर सत्र 2003–04 में नई शिक्षा योजना के साथ नई पाठ्यपुस्तकों के सृजन का कार्य प्रारम्भ किया गया।

पाठ्यपुस्तक के विकास में बच्चों की अभिरुचियों को ध्यान में रखकर सीखने की गतिविधियों का सृजन एवं रिमझिम–1 एन.सी.आर.टी. हिंदी की पाठ्यपुस्तक के कुछ पाठों का चयन किया गया है। विद्यालयों की परिस्थितियों व सीखने के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए समूह अधिगम एवं स्व अधिगम पर बल देने का प्रयास किया गया है। इसके साथ ही पर्यावरणीय संचेतना, लिंग संचेतना आदि पहलुओं को ध्यान में रखकर पाठ्यपुस्तक संयोजित की गई है। पाठों में दी गई पाठ्यसामग्री एवं अभ्यास कार्य, भाषा शिक्षण की नवीन अवधारणाओं एवं लर्निंग आउटकम्स पर आधारित हैं। हम आशा करते हैं कि शिक्षक इस पाठ्यपुस्तक का प्रभावी ढंग से उपयोग कर सकेंगे।

अध्ययन–अध्यापन की प्रक्रिया रोचक और संपूर्ण कैसे बने इस पर सतत् प्रयास हो रहे हैं। यह पुस्तक भी इसी दिशा में एक कदम है।

इस पुस्तक की रचना शिक्षण के प्रति वैकल्पिक दृष्टिकोण उत्पन्न करने के उद्देश्य को सामने रखकर की गई है। इस पुस्तक में, आसपास होने वाली सहज क्रियाओं में भी भाषा के गणित के रूप को देखा जाएगा। इन क्रियाओं को रोचक गतिविधियों के साथ स्वयं करते हुए जब बच्चे आगे बढ़ेंगे तो अवश्य ही उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

इस पुस्तक में हर अवधारणा की शुरूआत संदर्भ से की गई है। बच्चे पहले से जितना जानते हैं उसका उपयोग उनके सीखने में हो, और वे अपने अनुभवों में कुछ नया जोड़ते चलें, फिर नई परिस्थितियों में उसका प्रयोग करें और धीरे–धीरे सीखते चलें, सीखने की इस प्रक्रिया को इस पुस्तक का आधार बनाया गया है। कक्षा 1 में यह अपेक्षा है कि कक्षा में बच्चे की भाषा का उपयोग हो, जिससे उसे अवधारणाओं को अपने भाषायी ढाँचे के साथ जोड़ने का अवसर मिले।

स्कूल शिक्षा विभाग एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, छ.ग. द्वारा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों में दक्षता संवर्धन हेतु अतिरिक्त पाठ्य संसाधन उपलब्ध कराने की दृष्टि से Energized Text Books एक अभिनव प्रयास है, जिसे ऑन लाईन एवं ऑफ लाईन (डाउनलोड करने के उपरांत) उपयोग किया जा सकता है। ETBs का प्रमुख उद्देश्य पाठ्यवस्तु के अतिरिक्त ऑडियो–वीडियो, एनीमेशन फॉरमेट में अधिगम सामग्री, संबंधित अभ्यास, प्रश्न एवं शिक्षकों के लिए संदर्भ सामग्री प्रदान करना है।

इस पुस्तक को तैयार करते समय शिक्षकों, शिक्षक–प्रशिक्षकों तथा शिक्षा क्षेत्र से सक्रिय रूप से जुड़े अनेक विद्वानों का सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है। फिर भी सुधार करने और नया जोड़ने की संभावनाएँ तो हमेशा ही रहेंगी। इसलिए यह पुस्तक जिनके भी हाथ में है उनसे अनुरोध है कि इसे बच्चों के लिए और बेहतर बनाने के लिए अपने महत्त्वपूर्ण सुझाव परिषद् को अवश्य भेजें।

संचालक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
छत्तीसगढ़, रायपुर

शिक्षकों व पालकों के लिए सुझाव

कक्षा पहली की पाठ्यपुस्तक के प्रारंभ में चित्र दिए गए हैं। बच्चे चित्रों को देखकर आकर्षित होते हैं और चित्रों के माध्यम से अपने संदर्भों को जोड़कर कई तरह से सीखते हैं। चित्रों द्वारा बच्चों की कल्पनाशीलता, सोचने समझने की क्षमता एवं मौखिक भाषा का विकास होता है। शिक्षक/पालक चित्रों पर बातचीत करने हेतु बच्चों को अवसर उपलब्ध कराएँ। बच्चे आपस में चर्चा करें व बताएँ कि उनमें क्या देख पा रहे हैं।

पाठ्यपुस्तक में लेखन पूर्व अभ्यास, वर्ण परिचय, स्वर–व्यंजन की पहचान तथा लेखन के अभ्यास दिए गए हैं। बच्चों को वर्ण पहचान कर बोलने, पढ़ने और लिखने का अभ्यास करवाएँ; जिससे बच्चों में पठन व लेखन कौशल का विकास हो सकें।

पाठ्यपुस्तक पुस्तक के अन्य पाठों की सामग्री का उपयोग बच्चों के लिए पढ़ना सीखने के अभ्यास के रूप में करें। बच्चे बताए गए शब्दों को पहचान कर उन्हें पट्टी पर लिखें, उन पर गोला लगाएँ या उन्हें रेखांकित करें। वे सुनाई गई अथवा बोर्ड पर लिखी पाठ की लाइन को पहचानें व उसे सुनाएँ। समूहों में भी वह पाठ में शब्दों को एक–दूसरे को पहचानने को कहें। इस तरह के कई अभ्यास बच्चे खुद करें।

इनके अलावा वर्ण पहचानने व उन पर गोला लगवाने के अभ्यास भी करवाएँ। पढ़ना सीखने के लिए पाठ्य सामग्री चाहे वह पुस्तक में हो अथवा श्याम पट्ट पर इंगित हिस्से यथा–वाक्य, शब्द अथवा वर्ण को पहचानने का अभ्यास बच्चे करें।

कक्षा एक में हिंदी भाषा के मुख्य उद्देश्य हैं :

1. बच्चों में खुलकर विचार व्यक्त करने की हिम्मत व क्षमता विकसित करना। इसके लिए उन्हें कविता/गीत गाने व उसके साथ हाव–भाव करने के अलावा कहानी सुनने–सुनाने के मौके चाहिए। वे अपने बारे में, अपने अनुभव के बारे में कक्षा में अपने विचार व भावनाएँ व्यक्त करें। वे पाठ सामग्री के बारे में भी अपने विचार व्यक्त करें और यह भी व्यक्त करें कि उन्हें पाठ से क्या समझ में आया है। ऐसा वे बड़े समूह में भी करें व छोटे समूह में भी।
2. दूसरा प्रमुख बिंदु है बात समझना, अपनी समझ को गहरा बनाना और विश्लेषण करके नए विचार पैदा करना। इसके लिए कई गतिविधियाँ करवा सकते हैं। सामग्री को अपने शब्दों में प्रस्तुत करना, अभिनय द्वारा समूह में प्रस्तुत करना जैसे अन्य कईं तरीके हो सकते हैं। इसलिए भाषा की समझ को बेहतर करने के साथ–साथ स्कूल व कक्षा से भय हटाने के लिए बाल–गीतों व अन्य पाठों को भी बच्चों से कक्षा में हाव–भाव व अभिनय द्वारा प्रस्तुत करवाएँ।
3. तीसरा प्रमुख उद्देश्य है पढ़ना सीखना व उसका अभ्यास करना। इसके लिए कई तरह के अभ्यास जिनमें वाक्य, शब्द व वर्ण पहचानना तीनों शामिल हैं, करवाएँ। इसके भी कई तरीके हो सकते हैं। वर्ण मात्र पढ़वाने पर ज़ोर देने से पढ़ना सीखना आसान नहीं होता। बच्चों को अर्थपूर्ण सामग्री को पढ़ने के अधिक–से–अधिक मौके चाहिए। सीखते समय बच्चे कई तरीकों का इस्तेमाल करते हैं; गलतियाँ भी करते हैं; यही धीरे–धीरे उसे ध्वनि व लिपि में संबंध जोड़ कर पढ़ने में सक्षम बनाती हैं। पाठ्य सामग्री का उपयोग बच्चों को सक्षम बनाने के लिए करें। पाठ्यसामग्री समझाने, प्रश्नों के उत्तर याद करवाने से भाषा में क्षमता नहीं बढ़ती। इसलिए आप पाठों का उपयोग 2–3 या अधिक बार कई तरह के अभ्यास करवाने के लिए करें।

संचालक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
छत्तीसगढ़, रायपुर

विषय–सूची

अध्याय	पाठ का नाम	पृष्ठ क्र.
	• चित्र पर चर्चा	01-06
	• लेखन पूर्व अभ्यास	07–11
	• स्वर–व्यंजन परिचय एवं अभ्यास	12–43
1.	जय टहल	44–45
2.	मगर–बतख	46–49
3.	राजा आ	50–55
4.	दिन निकला	56–59
5.	सीमा की बकरी	60–63
6.	गुड़िया	64–66
7.	चूहाराम	67–70
8.	मेला	71–78
9.	ओढ़नी	79–85
10.	खिलौनेवाला	86–91
11.	झंडा	92–99
12.	बंदर और गिलहरी	100–107
13.	दौड़	108–112
14.	इनको भी जानो	113–122
	वर्णमाला	123–130

28DI6V

सीखने के प्रतिफल

सीखने–सिखाने की प्रक्रिया

शिक्षार्थियों (भिन्न रूप से सक्षम बच्चों सहित) को व्यक्तिगत, सामूहिक रूप से कार्य करने के अवसर और प्रोत्साहन दिया जाए ताकि उन्हें–

- अपनी भाषा में अपनी बात कहने, बातचीत करने की भरपूर आज़ादी और अवसर हो। अपनी बात कहने (भाषिक और सांकेतिक माध्यम से) के लिए अवसर एवं प्रोत्साहन हों।
- बच्चों द्वारा अपनी भाषा में कही गई बातों को हिंदी भाषा और अन्य भाषाओं (जो भाषाएँ कक्षा में मौजूद हैं या जिन भाषाओं के बच्चे कक्षा में हैं) में दोहराने के अवसर उपलब्ध हों। इससे भाषाओं को कक्षा में समुचित स्थान मिल सकेगा और उनका शब्द–भंडार, अभिव्यक्तियों का भी विकास करने के अवसर मिल सकेंगे।
- कहानी, कविता आदि को बोलकर सुनाने के अवसर हों और उस पर बातचीत करने के अवसर हों।
- हिंदी में सुनी गई बात, कविता, खेल–गीत, कहानी आदि को अपने तरीके और अपनी भाषा में कहने–सुनाने के अवसर उपलब्ध हों।
- प्रश्न पूछने एवं अपनी बात जोड़ने के अवसर उपलब्ध हों।
- कक्षा अथवा विद्यालय (पढ़ने का कोना/ पुस्तकालय) में स्तरानुसार विभिन्न प्रकार की एवं विभिन्न भाषाओं (बच्चों की अपनी भाषा/

सीखने की संप्राप्ति **(Learning Outcomes)**

बच्चे –

LH101. विविध उद्देश्यों के लिए अपनी भाषा अथवा/और स्कूल की भाषा का इस्तेमाल करते हुए बातचीत करते हैं; जैसे– कविता, कहानी, सुनाना, जानकारी के लिए प्रश्न पूछना, निजी अनुभवों को साझा करना।

LH102. सुनी सामग्री (कहानी, कविता आदि) के बारे में बातचीत करते हैं, अपनी राय देते हैं, प्रश्न पूछते हैं।

LH103. भाषा में निहित ध्वनियों और शब्दों के साथ खेलने का आनन्द लेते हैं; जैसे – इन्ना, बिन्ना, तिन्ना।

LH104. प्रिंट (लिखा या छपा हुआ) और गैर–प्रिंट सामग्री (जैसे, चित्र या अन्य ग्राफिक्स) में अन्तर करते हैं।

LH105. चित्र के सूक्ष्म और प्रत्यक्ष पहलुओं पर बारीक अवलोकन करते हैं।

LH106. चित्र में या क्रमवार सजाए चित्रों में घट रही अलग–अलग घटनाओं, गतिविधियों और पात्रों को एक संदर्भ या कहानी के सूत्र में देखकर समझते हैं और सराहना करते हैं।

LH107. पढ़ी कहानी, कविताओं आदि में लिपि चिह्नों/शब्दों/वाक्यों आदि को देखकर और उनकी ध्वनियों को सुनकर, समझकर उनकी पहचान करते हैं।

LH108. संदर्भ की मदद से आस–पास मौजूद प्रिंट के अर्थ और उद्देश्य का अनुमान लगाते हैं, जैसे –टॉफ़ी के कवर पर लिखे नाम को 'टॉफी', 'लॉलीपॉप' या 'चॉकलेट' बताना।

हिंदी आदि) में रोचक सामग्री; जैसे – बाल साहित्य, बाल पत्रिकाएँ, पोस्टर, ऑडियो–विडियो सामग्री उपलब्ध हों। सामग्री ब्रेल में भी उपलब्ध हों, कमज़ोर दृष्टि वाले बच्चों को ध्यान में रखते हुए कुछ सामग्री बड़े अक्षरों में भी छपी हुई हों।

- तरह–तरह की कहानियों, कविताओं को चित्रों के आधार पर अनुमान लगाकर पढ़ने के अवसर उपलब्ध हों।
- विभिन्न उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए पढ़ने के विभिन्न आयामों को कक्षा में उचित स्थान देने के अवसर उपलब्ध हों, जैसे – किसी कहानी में किसी जानकारी को खोजना, कहानी में घटी विभिन्न घटनाओं के क्रम को तय करना, उसे अनुभव संसार से जोड़कर देख पाना आदि।
- सुनी, देखी, बातों को अपनी तरीके से कागज़ पर उतारने के अवसर हों।
- बच्चे अक्षरों की आकृति बनाना शुरू करते हैं भले ही उनके द्वारा बनाए गए अक्षरों में सुघड़ता न हो, इसे कक्षा में स्वीकार किया जाए।
- बच्चों द्वारा अपनी वर्तनी गढ़ने की प्रवृत्ति को भाषा सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा समझा जाए।

LH109. प्रिंट (लिखा या छपा हुआ) में मौजूद अक्षर, शब्द और वाक्य की इकाइयों को पहचानते हैं, जैसे – 'मेरा नाम विमला है।' बताओ, यह कहाँ लिखा हुआ है?/ इसमें 'नाम' कहाँ लिखा हुआ है?/ 'नाम' में में 'म' पर अँगुली रखो।

LH110. परिचित/अपरिचित लिखित सामग्री (जैसे – मिड–डे मीड का चार्ट, अपना नाम, कक्षा का नाम, मनपसन्द किताब का शीर्षक आदि) में रूचि दिखाते हैं, बातचीत करते हैं और अर्थ का खोज में विविध प्रकार की युक्तियों का इस्तेमाल करते है जैसे केवल चित्रों या चित्रों और प्रिंट की मदद से अनुप्रास लगाना, अक्षर ध्वनि संबंध का इस्तेमाल करना, शब्दों को पहचानना, पूर्व अनुभवों और जानकारी का इस्तेमाल करते हुए अनुमाना लगाना।

LH111. हिंदी के वर्णमाला के अक्षरों की आकृति और ध्वनि को पहचानते हैं।

LH112. स्कूल के बाहर और स्कूल के भीतर (पुस्तक कोना/पुस्तकालय से) अपनी पंसद की किताबों को स्वयं चुनते हैं और पढ़ने की कोशिश करते हैं।

LH113. लिखना सीखने की प्रक्रिया के दौरान अपने विकासात्मक स्तर के अनुसार चित्रों, आड़ी–तिरछी रेखाओं (कीरम–काटे), अक्षर–आकृतियों, स्व–वर्तनी (इनवेंटिड स्पैलिंग) और स्व–नियत्रित लेखन (कनवैंशनल राइटिंग) के माध्यम से सुनी हुई और अपने मन की बातों को अपनी तरीके से लिखने का प्रयास करते हैं।

LH114. स्वयं बनाए गए चित्रों के नाम लिखते (लेबलिंग) हैं, जैसे–हाथ के बने पंखे का चित्र बनाकर उसके नीचे 'बीजना' (ब्रजभाषा, जो कि बच्चे की घर की भाषा हो सकती है।) लिखना।

विषय–सूची (Contents)

अध्याय	पाठ का नाम	सीखने के प्रतिफल
•	चित्र पर चर्चा	LH104, LH109
•	लेखन पूर्व अभ्यास	LH111, LH113
•	स्वर–व्यंजन परिचय एवं अभ्यास	LH111, LH113
1.	जय टहल	LH102, LH103, LH104, LH105, LH107, LH108, LH109, LH110, LH111, LH113
2.	मगर–बतख	LH102, LH103, LH104, LH105, LH107, LH108, LH109, LH110, LH111, LH113
3.	राजा आ	LH101, LH102, LH103, LH107, LH110, LH111
4.	दिन निकला	LH101, LH102, LH104, LH107, LH110, LH111
5.	सीमा की बकरी	LH101, LH102, LH104, LH107, LH110, LH111
6.	गुड़िया	LH101, LH102, LH103, LH104, LH106, LH107, LH110 LH111, LH113, LH114
7.	चूहाराम	LH101, LH101, LH106, LH107, LH110, LH111, LH112
8.	मेला	LH101, LH102, LH105, LH106, LH107, LH109, LH110, LH112
9.	ओढ़नी	LH101, LH102, LH107, LH108, LH110, LH111, LH112, LH113
10.	खिलौनेवाला	LH101, LH102, LH103, LH106, LH107, LH108, LH109, LH110, LH111, LH112, LH113
11.	झंडा	LH101, LH102, LH103, LH106, LH107, LH108, LH109, LH110, LH113
12.	बंदर और गिलहरी	LH101, LH102, LH104, LH105, LH106, LH107, LH109, LH110, LH112, LH113
13.	दौड़	LH101, LH102, LH106, LH110, LH112
14.	इनको भी जानो	LH105, LH106, LH108, LH109, LH110, LH111, LH113, LH114

उदाहराणार्थ रूब्रिक्स

अध्याय	Sub Topic	Level - 1	Level - 2	Level - 3	Level - 4
इधर - उधर	1. हाव-भाव एवं लयबद्ध से कविता वाचन करना। 2. ध्वनि जागरूकता। 3. मौखिक बातचीत करना। 4. समान तुक वाले शब्द बताना।	❖ कविता को याद करके हाव-भाव के साथ सुनाना है। ❖ कविता के मुख्य शब्दों के चित्र बनाने का प्रयास करता है। ❖ कविता के शब्दों के जैसे समान तुक वाले शब्द बताता है।	❖ पशु-पक्षियों के नाम बताता है। ❖ बतख के बारे में कुछ वाक्य बताता है। ❖ आपकी पसंद के किसी अन्य जानवर का चित्र बनाने का प्रयास करता है।	❖ कविता के आधार पर अभिनय करने का प्रयास करता है।	❖ पानी में रहने वाले तथा जमीन पर रहने वाले जीवों के नाम बताने का प्रयास करता है। ❖ बतख एवं मगर के रंग एवं उनके आधार पर बात करता है।

यह पुस्तक मेरी है।

टीप :– कुछ पाठों में विभिन्न भाषाओं के भी उल्लेख हैं। शिक्षक अपने क्षेत्र विशेष की भाषा के लिए स्थानीय समुदाय का सहयोग लेवें।

FUN WITH THE ALPHABET
हिन्दी वर्णमाला चार्ट

इस चित्र के बारे में बच्चों से चर्चा करें।

गतिविधि – 1

नाम

मेरा नाम ....है।

मेरा दोस्त/सहेली का नाम ....है।

शिक्षक निर्देश :– शिक्षक बच्चों के नाम चार्ट बनाकर कक्षा में लाएँ और बच्चों को उनके नाम के लिखित रूप से परिचय कराएँ तत्पश्चात बच्चों को चार्ट में से अपना नाम ढूँढ़कर अपनी किताब में लिखने को कहें।

गतिविधि – 2

उन चीजों के चित्र बनाओ जो तुम्हारी कक्षा/आसपास में हैं, जैसे–

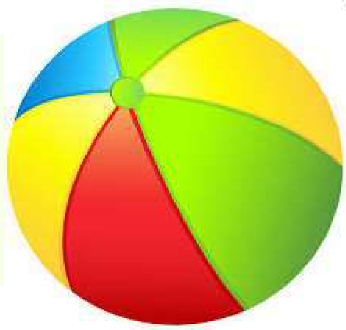

चित्र बनाओ

निर्देश :– बच्चे अपनी मनपसंद आकृति यहाँ बनाएँ।

रंगोली बनाओ

निर्देश :– बच्चे बिंदु डालकर मनपसंद रंगोली बनाकर रंग भरें।

लेखन पूर्व अभ्यास

शिक्षण संकेत : शिक्षक दी गई आकृतियों को पुस्तक एवं स्लेट पर बनवाने का अभ्यास करवाएँ।

लेखन पूर्व अभ्यास

शिक्षण संकेत : शिक्षक दी गई आकृतियों को पुस्तक एवं स्लेट पर बनवाने का अभ्यास करवाएँ।

लेखन पूर्व अभ्यास

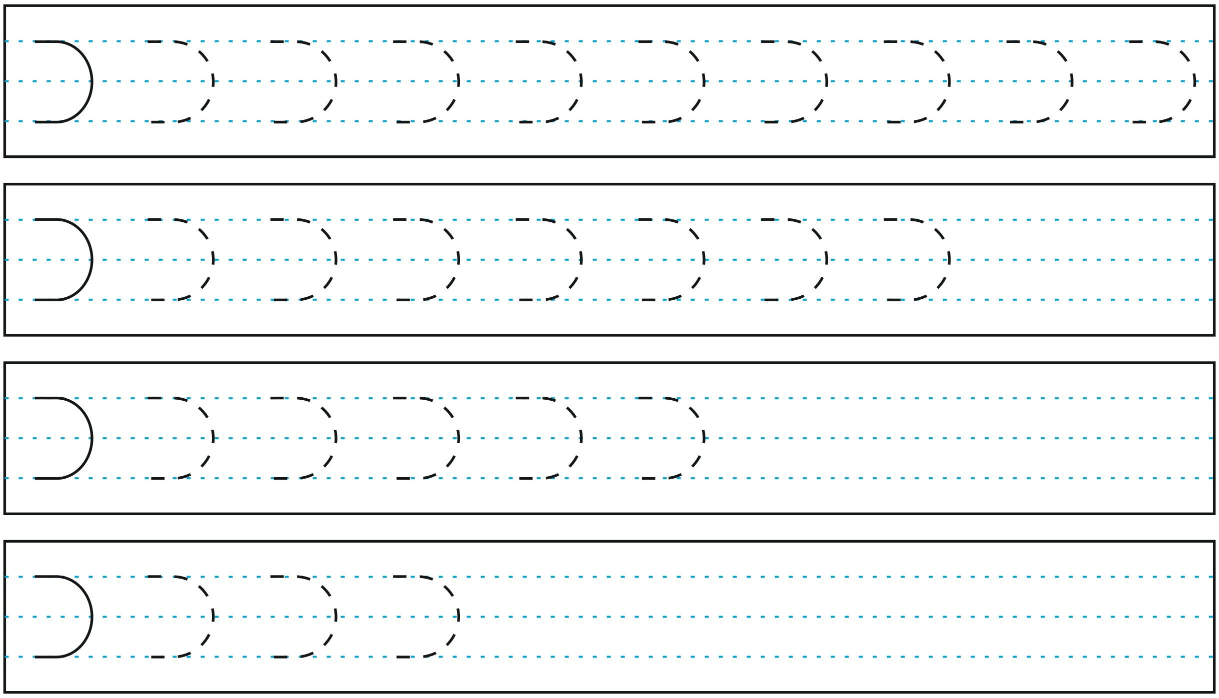

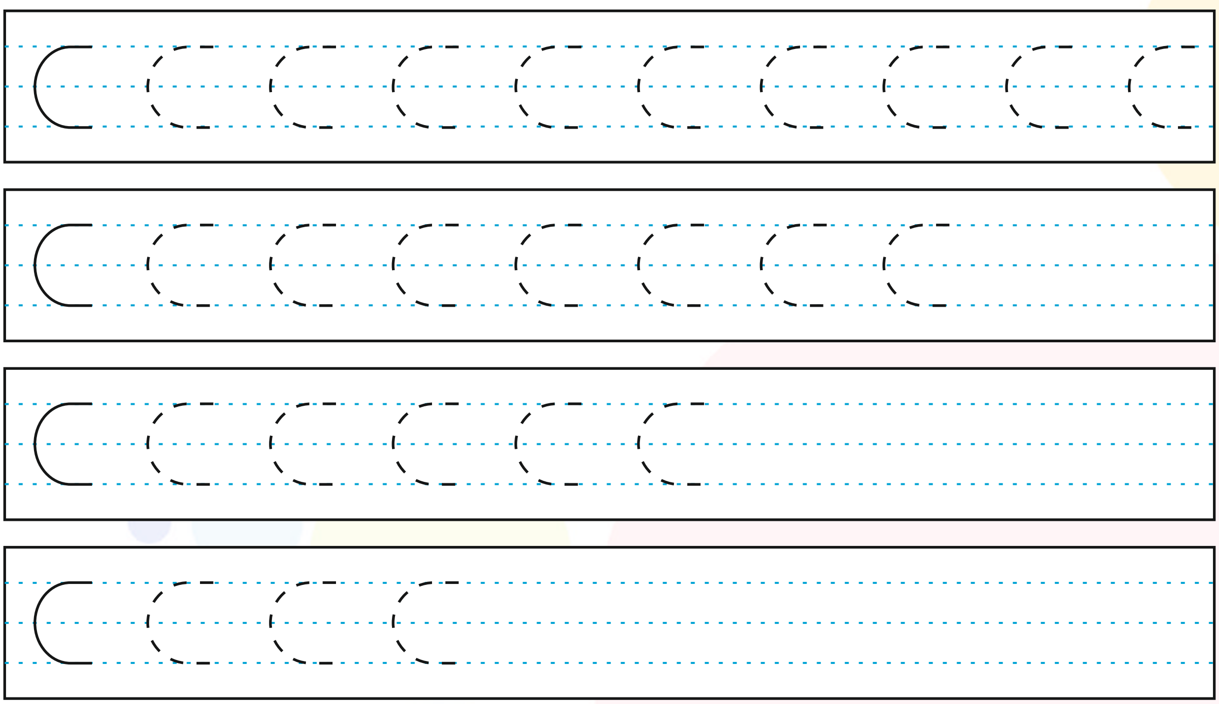

शिक्षण संकेत : शिक्षक दी गई आकृतियों को पुस्तक एवं स्लेट पर बनवाने का अभ्यास करवाएँ।

लेखन पूर्व अभ्यास

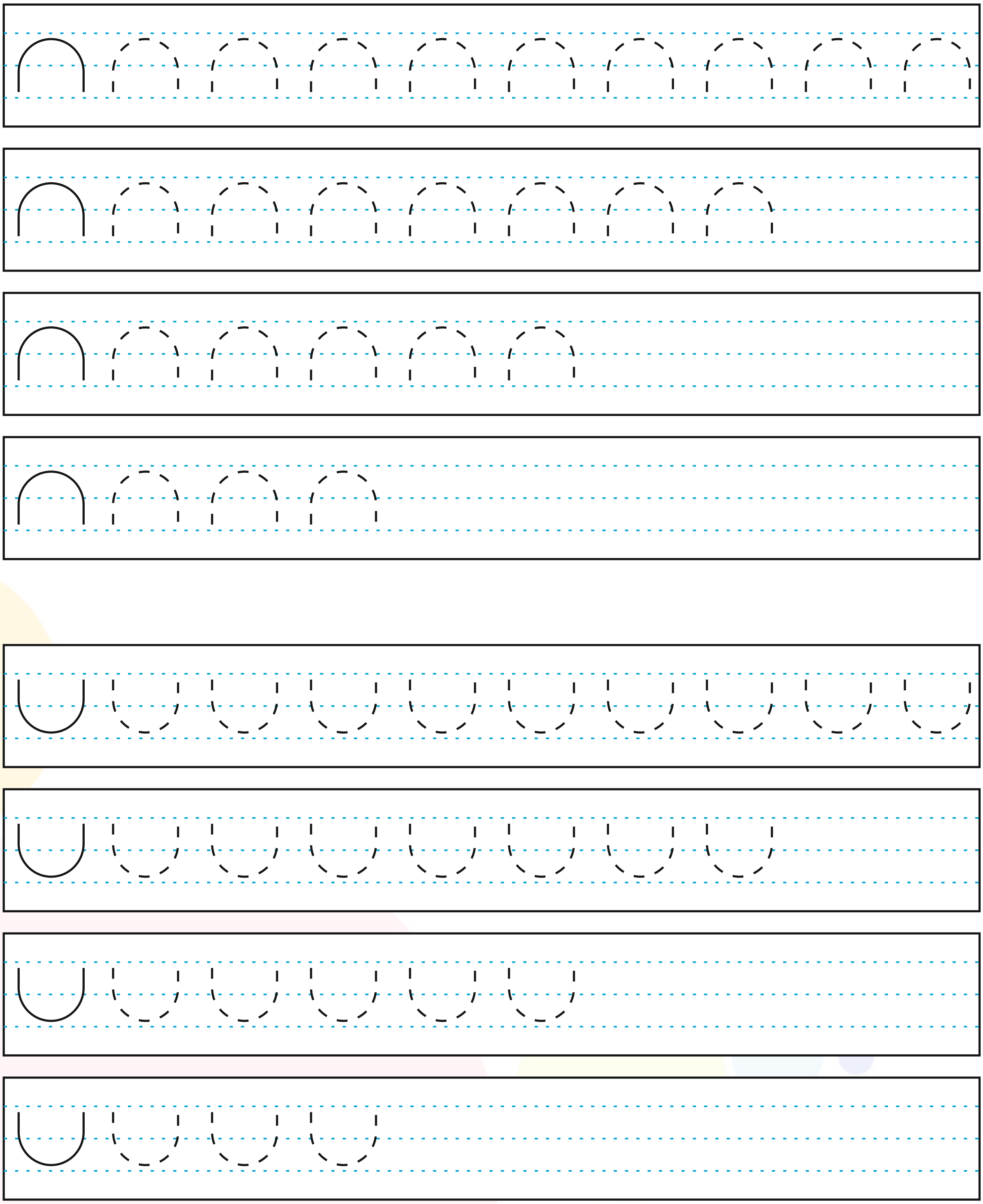

शिक्षण संकेत : शिक्षक दी गई आकृतियों को पुस्तक एवं स्लेट पर बनवाने का अभ्यास करवाएँ।

लेखन पूर्व अभ्यास

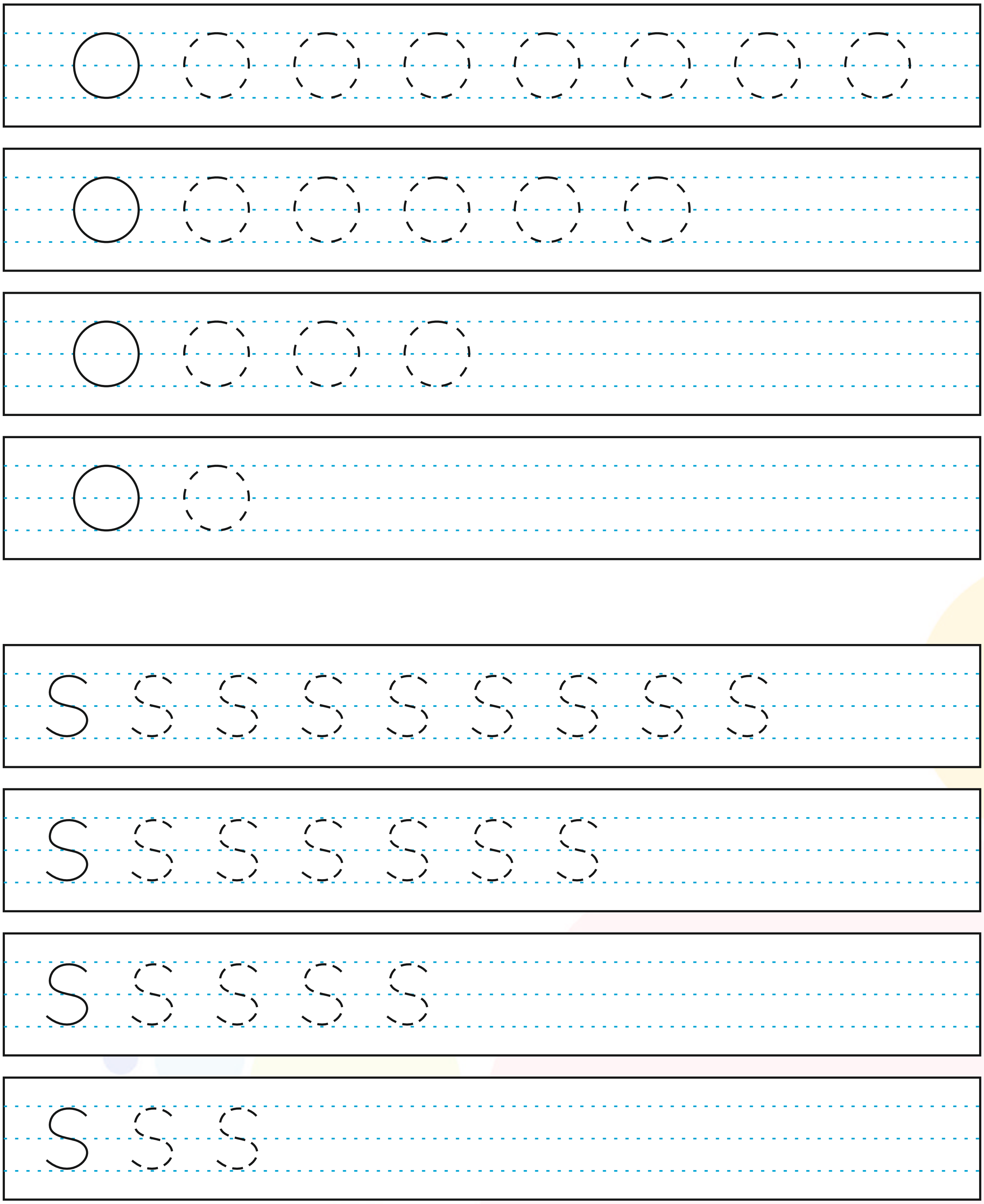

शिक्षण संकेत : शिक्षक दी गई आकृतियों को पुस्तक एवं स्लेट पर बनवाने का अभ्यास करवाएँ।

1. स्वर परिचय

अ

अनार

अ अ अ अ अ अ अ अ

अ अ अ अ अ अ

अ अ अ अ

अ अ अ

2. स्वर परिचय

आ

आम

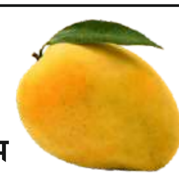

आ आ आ आ आ आ आ आ

आ आ आ आ आ आ

आ आ आ आ

आ आ आ

शिक्षण संकेत : शिक्षक चित्र देखकर वर्ण का उच्चारण करवाएँ। दिए गए वर्ण आकृतियों पर पेंसिल फिरवाकर वर्ण लिखने का अभ्यास करवाएँ।

3. स्वर परिचय

इ

इमली

इ इ इ इ इ इ इ इ

इ इ इ इ इ इ

इ इ इ इ

इ इ इ

4. स्वर परिचय

ई

ईख

ई ई ई ई ई ई ई ई

ई ई ई ई ई ई

ई ई ई ई

ई ई ई

शिक्षण संकेत : शिक्षक चित्र देखकर वर्ण का उच्चारण करवाएँ। दिए गए वर्ण आकृतियों पर पेंसिल फिरवाकर वर्ण लिखने का अभ्यास करवाएँ।

5. स्वर परिचय

उ

उल्लू

उ उ उ उ उ उ उ उ

उ उ उ उ उ उ

उ उ उ उ

उ उ उ

6. स्वर परिचय

ऊ

ऊन

ऊ ऊ ऊ ऊ ऊ ऊ ऊ ऊ

ऊ ऊ ऊ ऊ ऊ ऊ

ऊ ऊ ऊ ऊ

ऊ ऊ ऊ

शिक्षण संकेत : शिक्षक चित्र देखकर वर्ण का उच्चारण करवाएँ। दिए गए वर्ण आकृतियों पर पेंसिल फिरवाकर वर्ण लिखने का अभ्यास करवाएँ।

7. स्वर परिचय

ऋ

ऋषि

ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ

ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ

ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ

ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ

ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ

ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ

ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ

ऋ ऋ ऋ ऋ

ऋ ऋ ऋ

शिक्षण संकेत : शिक्षक चित्र देखकर वर्ण का उच्चारण करवाएँ। दिए गए वर्ण आकृतियों पर पेंसिल फिरवाकर वर्ण लिखने का अभ्यास करवाएँ।

8. स्वर परिचय ए

एड़ी

ए ए ए ए ए ए ए ए

ए ए ए ए ए ए

ए ए ए ए

ए ए ए

9. स्वर परिचय ऐ

ऐनक

ऐ ऐ ऐ ऐ ऐ ऐ ऐ ऐ

ऐ ऐ ऐ ऐ ऐ ऐ

ऐ ऐ ऐ ऐ

ऐ ऐ ऐ

शिक्षण संकेत : शिक्षक चित्र देखकर वर्ण का उच्चारण करवाएँ। दिए गए वर्ण आकृतियों पर पेंसिल फिरवाकर वर्ण लिखने का अभ्यास करवाएँ।

10. स्वर परिचय

ओ

ओखली

ओ ओ ओ ओ ओ ओ ओ ओ

ओ ओ ओ ओ ओ ओ

ओ ओ ओ ओ

ओ ओ ओ

11. स्वर परिचय

औ

औरत

औ औ औ औ औ औ औ औ

औ औ औ औ औ औ

औ औ औ औ

औ औ औ

शिक्षण संकेत : शिक्षक चित्र देखकर वर्ण का उच्चारण करवाएँ। दिए गए वर्ण आकृतियों पर पेंसिल फिरवाकर वर्ण लिखने का अभ्यास करवाएँ।

12. स्वर परिचय अं

अंगूर

अं अं अं अं अं अं अं अं

अं अं अं अं अं अं

अं अं अं अं

अं अं अं

13. स्वर परिचय अः

अः अः अः अः अः अः अः अः

अः अः अः अः अः अः

अः अः अः अः

अः अः अः

शिक्षण संकेत : शिक्षक चित्र देखकर वर्ण का उच्चारण करवाएँ। दिए गए वर्ण आकृतियों पर पेंसिल फिरवाकर वर्ण लिखने का अभ्यास करवाएँ।

1. व्यंजन परिचय

क

क क क क क क क क

क क क क क क

क क क क

क क क

2. व्यंजन परिचय

ख

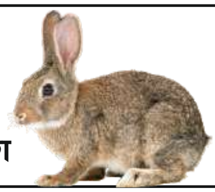

ख ख ख ख ख ख ख ख

ख ख ख ख ख ख

ख ख ख ख

ख ख ख

शिक्षण संकेत : शिक्षक चित्र देखकर वर्ण का उच्चारण करवाएँ। दिए गए वर्ण आकृतियों पर पेंसिल फिरवाकर वर्ण लिखने का अभ्यास करवाएँ।

3. व्यंजन परिचय

ग

गमला

ग ग ग ग ग ग ग ग

ग ग ग ग ग ग

ग ग ग ग

ग ग ग

4. व्यंजन परिचय

घ

घड़ी

घ घ घ घ घ घ घ घ

घ घ घ घ घ घ

घ घ घ घ

घ घ घ

शिक्षण संकेत : शिक्षक चित्र देखकर वर्ण का उच्चारण करवाएँ। दिए गए वर्ण आकृतियों पर पेंसिल फिरवाकर वर्ण लिखने का अभ्यास करवाएँ।

5. व्यंजन परिचय

ङ

ङ ङ ङ ङ ङ ङ ङ ङ

ङ ङ ङ ङ ङ ङ ङ ङ

ङ ङ ङ ङ ङ ङ ङ ङ

ङ ङ ङ ङ ङ ङ ङ ङ

ङ ङ ङ ङ ङ ङ ङ ङ

ङ ङ ङ ङ ङ ङ ङ ङ

ङ ङ ङ ङ ङ ङ

ङ ङ ङ ङ

ङ ङ ङ

शिक्षण संकेत : शिक्षक चित्र देखकर वर्ण का उच्चारण करवाएँ। दिए गए वर्ण आकृतियों पर पेंसिल फिरवाकर वर्ण लिखने का अभ्यास करवाएँ।

6. व्यंजन परिचय

च

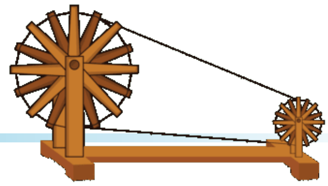

च च च च च च च च

च च च च च च

च च च च

च च च

7. व्यंजन परिचय

छ

छ छ छ छ छ छ छ छ

छ छ छ छ छ छ

छ छ छ छ

छ छ छ

शिक्षण संकेत : शिक्षक चित्र देखकर वर्ण का उच्चारण करवाएँ। दिए गए वर्ण आकृतियों पर पेंसिल फिरवाकर वर्ण लिखने का अभ्यास करवाएँ।

8. व्यंजन परिचय

ज

जहाज

ज ज ज ज ज ज ज ज

ज ज ज ज ज ज

ज ज ज ज

ज ज ज

9. व्यंजन परिचय

झ

झरना

झ झ झ झ झ झ झ झ

झ झ झ झ झ झ

झ झ झ झ

झ झ झ

शिक्षण संकेत : शिक्षक चित्र देखकर वर्ण का उच्चारण करवाएँ। दिए गए वर्ण आकृतियों पर पेंसिल फिरवाकर वर्ण लिखने का अभ्यास करवाएँ।

10. व्यंजन परिचय

ञ

ञ ञ ञ ञ ञ ञ ञ ञ

ञ ञ ञ ञ ञ ञ ञ ञ

ञ ञ ञ ञ ञ ञ ञ ञ

ञ ञ ञ ञ ञ ञ ञ ञ

ञ ञ ञ ञ ञ ञ ञ ञ

ञ ञ ञ ञ ञ ञ ञ ञ

ञ ञ ञ ञ ञ ञ

ञ ञ ञ ञ

ञ ञ ञ

शिक्षण संकेत : शिक्षक चित्र देखकर वर्ण का उच्चारण करवाएँ। दिए गए वर्ण आकृतियों पर पेंसिल फिरवाकर वर्ण लिखने का अभ्यास करवाएँ।

11. व्यंजन परिचय

ट

टमाटर

ट ट ट ट ट ट ट ट

ट ट ट ट ट ट

ट ट ट ट

ट ट ट

12. व्यंजन परिचय

ठ

ठेला

ठ ठ ठ ठ ठ ठ ठ ठ

ठ ठ ठ ठ ठ ठ

ठ ठ ठ ठ

ठ ठ ठ

शिक्षण संकेत : शिक्षक चित्र देखकर वर्ण का उच्चारण करवाएँ। दिए गए वर्ण आकृतियों पर पेंसिल फिरवाकर वर्ण लिखने का अभ्यास करवाएँ।

13. व्यंजन परिचय

ड

डमरू

ड ड ड ड ड ड ड ड

ड ड ड ड ड ड

ड ड ड ड

ड ड ड

14. व्यंजन परिचय

ढ

ढोलक

ढ ढ ढ ढ ढ ढ ढ ढ

ढ ढ ढ ढ ढ ढ

ढ ढ ढ ढ

ढ ढ ढ

शिक्षण संकेत : शिक्षक चित्र देखकर वर्ण का उच्चारण करवाएँ। दिए गए वर्ण आकृतियों पर पेंसिल फिरवाकर वर्ण लिखने का अभ्यास करवाएँ।

15. व्यंजन परिचय

ण

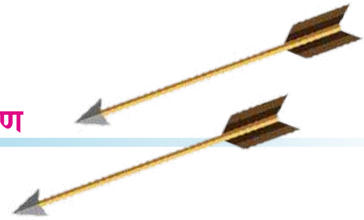

बाण

ण ण ण ण ण ण ण ण

ण ण ण ण ण ण ण ण

ण ण ण ण ण ण ण ण

ण ण ण ण ण ण ण ण

ण ण ण ण ण ण ण ण

ण ण ण ण ण ण ण ण

ण ण ण ण ण ण

ण ण ण ण

ण ण ण

शिक्षण संकेत : शिक्षक चित्र देखकर वर्ण का उच्चारण करवाएँ। दिए गए वर्ण आकृतियों पर पेंसिल फिरवाकर वर्ण लिखने का अभ्यास करवाएँ।

16. व्यंजन परिचय

त

तलवार

त त त त त त त त

त त त त त त

त त त त

त त त

17. व्यंजन परिचय

थ

थन

थ थ थ थ थ थ थ थ

थ थ थ थ थ थ

थ थ थ थ

थ थ थ

शिक्षण संकेत : शिक्षक चित्र देखकर वर्ण का उच्चारण करवाएँ। दिए गए वर्ण आकृतियों पर पेंसिल फिरवाकर वर्ण लिखने का अभ्यास करवाएँ।

18. व्यंजन परिचय

द

दरवाजा

द द द द द द द द

द द द द द द

द द द द

द द द

19. व्यंजन परिचय

ध

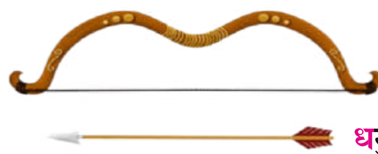

धनुष

ध ध ध ध ध ध ध ध

ध ध ध ध ध ध

ध ध ध ध

ध ध ध

शिक्षण संकेत : शिक्षक चित्र देखकर वर्ण का उच्चारण करवाएँ। दिए गए वर्ण आकृतियों पर पेंसिल फिरवाकर वर्ण लिखने का अभ्यास करवाएँ।

20. व्यंजन परिचय

न

नल

न न न न न न न न

न न न न न न न न

न न न न न न न न

न न न न न न न न

न न न न न न न न

न न न न न न न न

न न न न न न

न न न न

न न न

शिक्षण संकेत : शिक्षक चित्र देखकर वर्ण का उच्चारण करवाएँ। दिए गए वर्ण आकृतियों पर पेंसिल फिरवाकर वर्ण लिखने का अभ्यास करवाएँ।

21. व्यंजन परिचय

प

पतंग

प प प प प प प प

प प प प प प

प प प प

प प प

22. व्यंजन परिचय

फ

फल

फ फ फ फ फ फ फ फ

फ फ फ फ फ फ

फ फ फ फ

फ फ फ

शिक्षण संकेत : शिक्षक चित्र देखकर वर्ण का उच्चारण करवाएँ। दिए गए वर्ण आकृतियों पर पेंसिल फिरवाकर वर्ण लिखने का अभ्यास करवाएँ।

23. व्यंजन परिचय ब

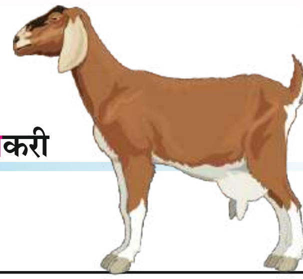

बकरी

ब

ब

ब

ब

24. व्यंजन परिचय भ

भटा

भ

भ

भ

भ

शिक्षण संकेत : शिक्षक चित्र देखकर वर्ण का उच्चारण करवाएँ। दिए गए वर्ण आकृतियों पर पेंसिल फिरवाकर वर्ण लिखने का अभ्यास करवाएँ।

25. व्यंजन परिचय

म

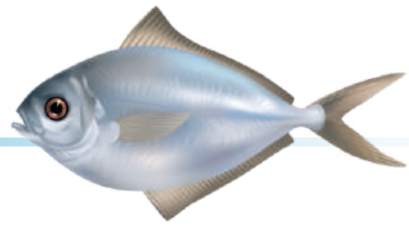

मछली

म म म म म म म म

म म म म म म म म

म म म म म म म म

म म म म म म म म

म म म म म म म म

म म म म म म म म

म म म म म म

म म म म

म म म

शिक्षण संकेत : शिक्षक चित्र देखकर वर्ण का उच्चारण करवाएँ। दिए गए वर्ण आकृतियों पर पेंसिल फिरवाकर वर्ण लिखने का अभ्यास करवाएँ।

26. व्यंजन परिचय

य

यज्ञ

य य य य य य य य

य य य य य य

य य य य

य य य

27. व्यंजन परिचय

र

रथ

र र र र र र र र

र र र र र र

र र र र

र र र

शिक्षण संकेत : शिक्षक चित्र देखकर वर्ण का उच्चारण करवाएँ। दिए गए वर्ण आकृतियों पर पेंसिल फिरवाकर वर्ण लिखने का अभ्यास करवाएँ।

28. व्यंजन परिचय

ल

लट्टू

ल ल ल ल ल ल ल ल

ल ल ल ल ल ल

ल ल ल ल

ल ल ल

29. व्यंजन परिचय

व

वन

व व व व व व व व

व व व व व व

व व व व

व व व

शिक्षण संकेत : शिक्षक चित्र देखकर वर्ण का उच्चारण करवाएँ। दिए गए वर्ण आकृतियों पर पेंसिल फिरवाकर वर्ण लिखने का अभ्यास करवाएँ।

30. व्यंजन परिचय

श

शलजम

श
श
श
श

31. व्यंजन परिचय

ष

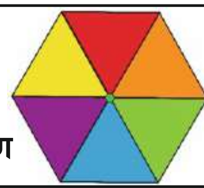

षट्कोण

ष
ष
ष
ष

शिक्षण संकेत : शिक्षक चित्र देखकर वर्ण का उच्चारण करवाएँ। दिए गए वर्ण आकृतियों पर पेंसिल फिरवाकर वर्ण लिखने का अभ्यास करवाएँ।

32. व्यंजन परिचय

स

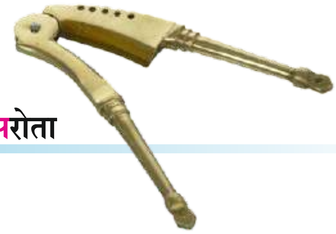
सरोता

स स स स स स स स

स स स स स स

स स स स

स स स

33. व्यंजन परिचय

ह

हल

ह ह ह ह ह ह ह ह

ह ह ह ह ह ह

ह ह ह ह

ह ह ह

शिक्षण संकेत : शिक्षक चित्र देखकर वर्ण का उच्चारण करवाएँ। दिए गए वर्ण आकृतियों पर पेंसिल फिरवाकर वर्ण लिखने का अभ्यास करवाएँ।

संयुक्त वर्ण परिचय

क्ष

क्षत्रिय

क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष

क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष

क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष

क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष

क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष

क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष

क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष

क्ष क्ष क्ष क्ष

क्ष क्ष क्ष

शिक्षण संकेत : शिक्षक चित्र देखकर वर्ण का उच्चारण करवाएँ। दिए गए वर्ण आकृतियों पर पेंसिल फिरवाकर वर्ण लिखने का अभ्यास करवाएँ।

संयुक्त वर्ण परिचय

त्र

त्रिशूल

त्र त्र त्र त्र त्र त्र त्र त्र

त्र त्र त्र त्र त्र त्र त्र त्र

त्र त्र त्र त्र त्र त्र त्र त्र

त्र त्र त्र त्र त्र त्र त्र त्र

त्र त्र त्र त्र त्र त्र त्र त्र

त्र त्र त्र त्र त्र त्र त्र त्र

त्र त्र त्र त्र त्र त्र

त्र त्र त्र त्र

त्र त्र त्र

शिक्षण संकेत : शिक्षक चित्र देखकर वर्ण का उच्चारण करवाएँ। दिए गए वर्ण आकृतियों पर पेंसिल फिरवाकर वर्ण लिखने का अभ्यास करवाएँ।

संयुक्त वर्ण परिचय

ज्ञ

ज्ञानी

ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ

ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ

ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ

ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ

ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ

ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ

ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ

ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ

ज्ञ ज्ञ ज्ञ

शिक्षण संकेत : शिक्षक चित्र देखकर वर्ण का उच्चारण करवाएँ। दिए गए वर्ण आकृतियों पर पेंसिल फिरवाकर वर्ण लिखने का अभ्यास करवाएँ।

संयुक्त वर्ण परिचय

श्र

श्रमिक

श्र	श्र	श्र	श्र	श्र	श्र	श्र	श्र
श्र	श्र	श्र	श्र	श्र	श्र	श्र	श्र
श्र	श्र	श्र	श्र	श्र	श्र	श्र	श्र
श्र	श्र	श्र	श्र	श्र	श्र	श्र	श्र
श्र	श्र	श्र	श्र	श्र	श्र	श्र	श्र
श्र	श्र	श्र	श्र	श्र	श्र	श्र	श्र
श्र	श्र	श्र	श्र	श्र	श्र		
श्र	श्र	श्र	श्र				
श्र	श्र	श्र					

शिक्षण संकेत : शिक्षक चित्र देखकर वर्ण का उच्चारण करवाएँ। दिए गए वर्ण आकृतियों पर पेंसिल फिरवाकर वर्ण लिखने का अभ्यास करवाएँ।

संयुक्त वर्ण परिचय

ड़

पेड़

ड़

ड़

ड़

ड़

ड़

ड़

ड़

ड़

ड़

शिक्षण संकेत : शिक्षक चित्र देखकर वर्ण का उच्चारण करवाएँ। दिए गए वर्ण आकृतियों पर पेंसिल फिरवाकर वर्ण लिखने का अभ्यास करवाएँ।

संयुक्त वर्ण परिचय

ढ़

बढ़ई

ढ़

ढ़

ढ़

ढ़

ढ़

ढ़

ढ़

ढ़

ढ़

शिक्षण संकेत : शिक्षक चित्र देखकर वर्ण का उच्चारण करवाएँ। दिए गए वर्ण आकृतियों पर पेंसिल फिरवाकर वर्ण लिखने का अभ्यास करवाएँ।

पाठ-1

जय टहल

जय छत पर चल।

छत पर टहल।

मग भर कर रख।

अब फल चख।

गपशप मत कर।

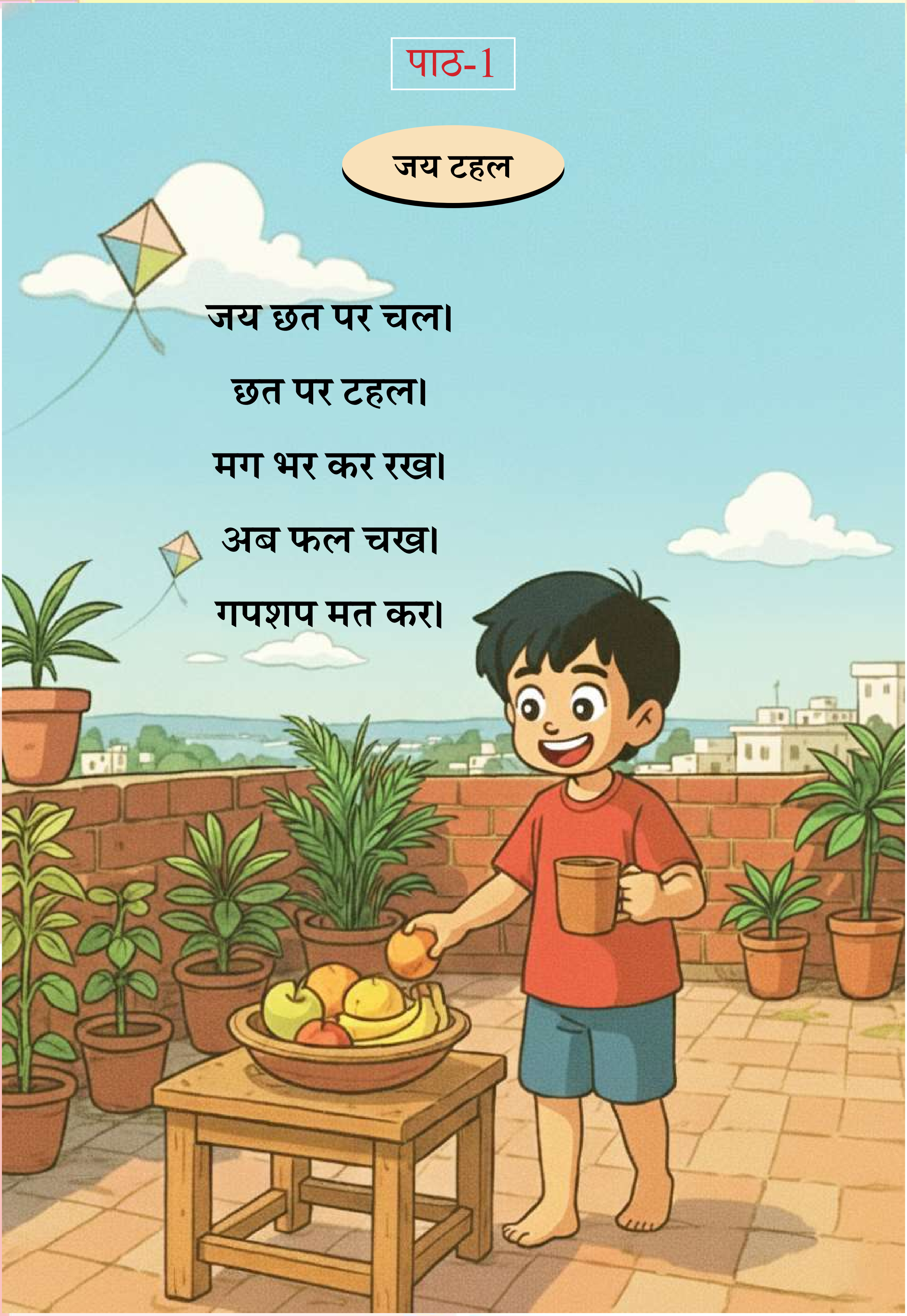

1. पढ़िए-लिखिए-

ज..........   ....प   फ.........   ....ल

2. मिलाकर लिखिए-

ज ग ....   च ल ....

फ ल ....   ह ल ....

ह म ....   द ल ....

न ल ....   ज ल ....

3. पढ़िए-

घर	हल	नल	फल	अब	बस
छत	हम	जय	पल	मन	तल

पाठ-2

मगर-बतख

इधर मगर, उधर बतख,
उधर बतख, इधर मगर।
मगर-बतख, इधर-उधर,
बतख-मगर, उधर-इधर।

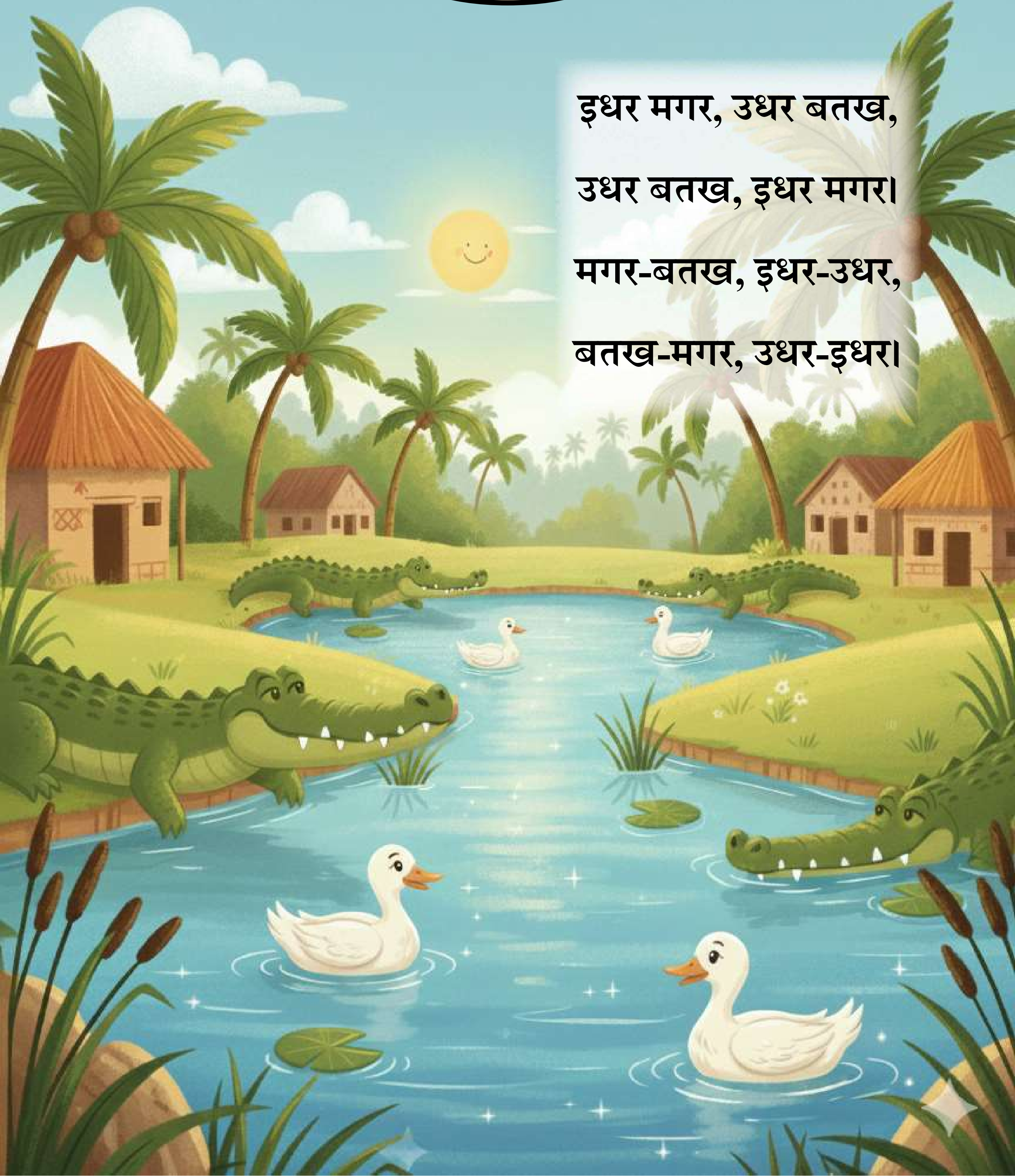

1. चित्र देखकर शब्द पूरे कीजिए-

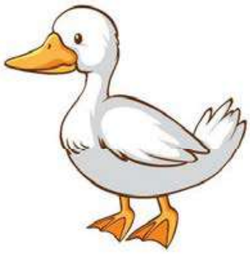

बत.......

म.....र

फ.......

......र

.......टर

म......

2. जोड़कर लिखिए-

ब स ....

न म क ....

ज ग ....

न र म ....

घ र ....

ग र म ....

फ ल ....

म ट र ....

छ त ....

क म ल ....

3. शब्द बनाइए-

बस

....

ब	क	प
स	च	ह
न	ल	म

....

4. रंग भरिए-

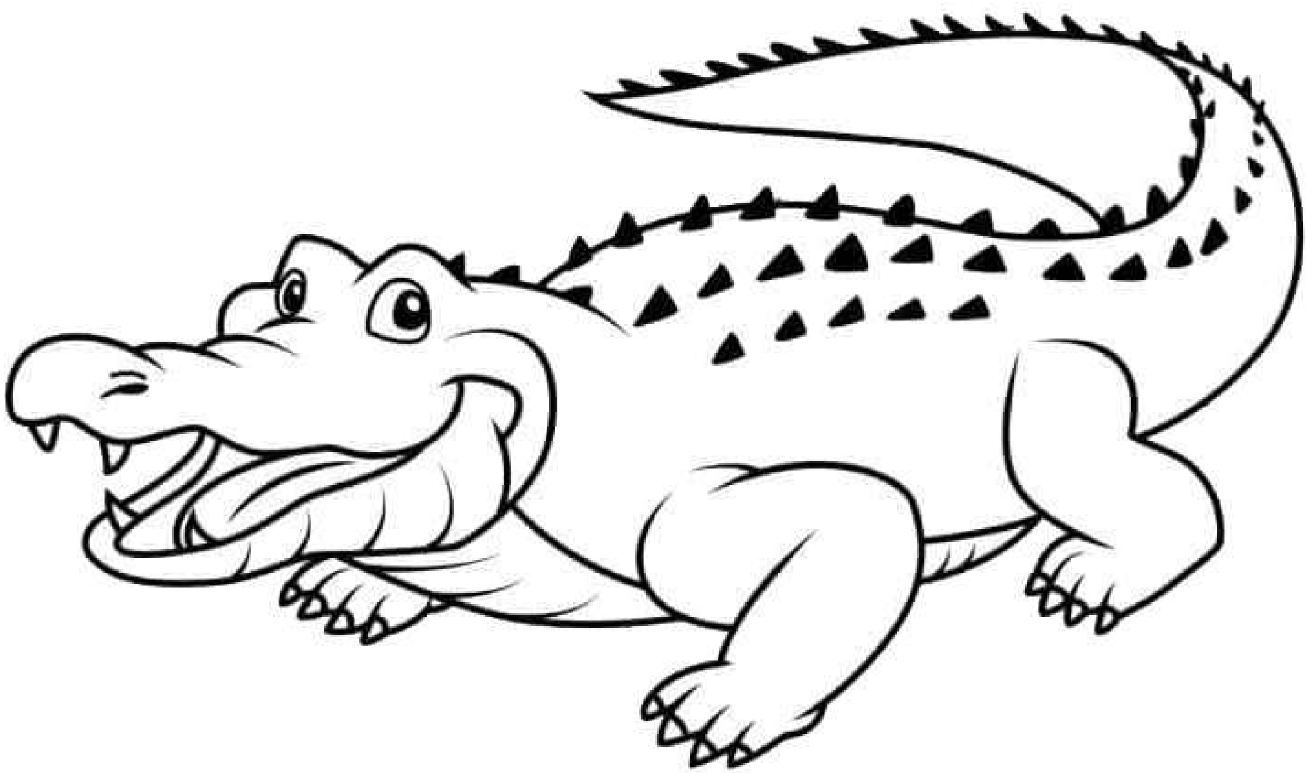

5. पढ़िए-

नमन सड़क पर मत टहल।

इधर-उधर मत चल।

छत पर चढ़।

छत पर टहल।

पाठ–3

राजा आ

आजा आ राजा

मामा ला बाजा।

कर मामा ढम–ढम

नाच राजा छम–छम।।

1. चित्र देखकर पढ़ो और समझो –

नल

न	ल

न

नाक

ना	क

ना

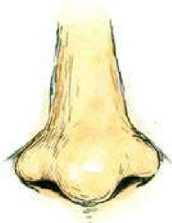

कमल

क	म	ल

कान

का	न

2. पहचानो और नाम लिखो –

का	

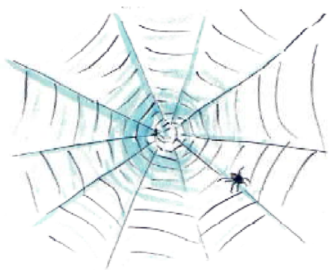

जा	

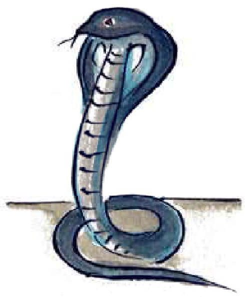

	ग

3. पढ़ो –

राजा आ।
काम कर।
मामा का काम कर।
आग जला।
जल गरम कर।
कल आराम करना।

नजमा आ।
अनार ला।
नाना का काम कर।
आम का रस ला।
गाना गा।

4. मिलाकर लिखो और पढ़ो –

आ म –	आम	आ ना –	आना
ना म	-----	ना --	-----
का म	-----	ला --	-----
रा --	-----	गा --	-----
जा --	-----	जा --	-----
का ला –	काला	ग ला –	गला
ला --	-----	म --	-----
जा --	-----	ज --	-----
ना --	-----	क --	-----
मा --	-----	ल --	-----

5. 'ा' की मात्रा जोड़कर लिखो पढ़ो –

कल –	काला	बल –	-----
तल –	-----	जल –	-----

6. वर्ग में दिए गए वर्णों से शब्द बनाइए –

मा	ला	ता
जा	का	सा
ना	आ	गा

--------- --------- ---------

--------- --------- ---------

--------- --------- ---------

2C1VUX

1. इस कविता में मामा की जगह दादा/चाचा कहकर कविता को फिर से गाइए।

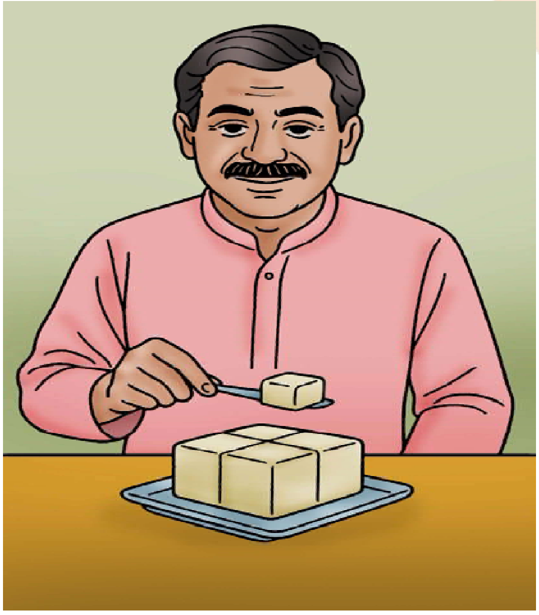

मिम्मी के मामा माखन लेने
माखनपुर मुस्कराते हुए आए।

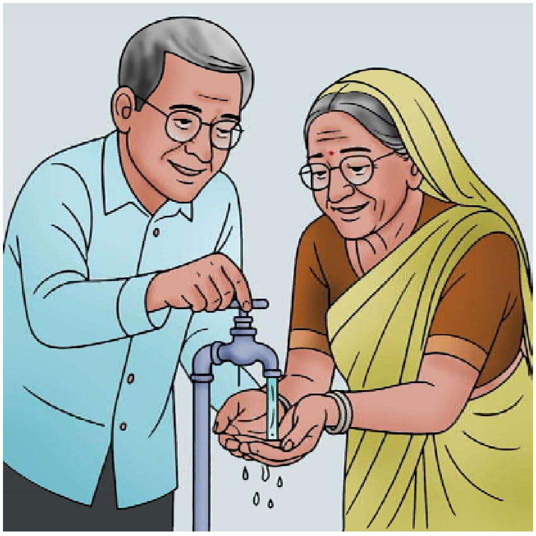

नंदू के नाना ने नंदू की नानी
को नल से पानी पिलाया।

शब्दों का खेल

1. 'मामा माखन माखनपुर' की तरह 'मा' की जगह 'ना', 'दा', 'चा' की ध्वनि से शब्द बनाकर सुनाइए।
2. निम्नलिखित शब्दों को सुनकर उनमें आई ध्वनियों की संख्या बताइए –

   दादा, राजा, मामा, काका, बाजा, नाच, छम–छम, आजा, ढम–ढम, अनार

3. बोल मेरे चंदा, कितने तारे?

नीचे दिए हुए चित्र को देखकर तारों की संख्या बाताइए –

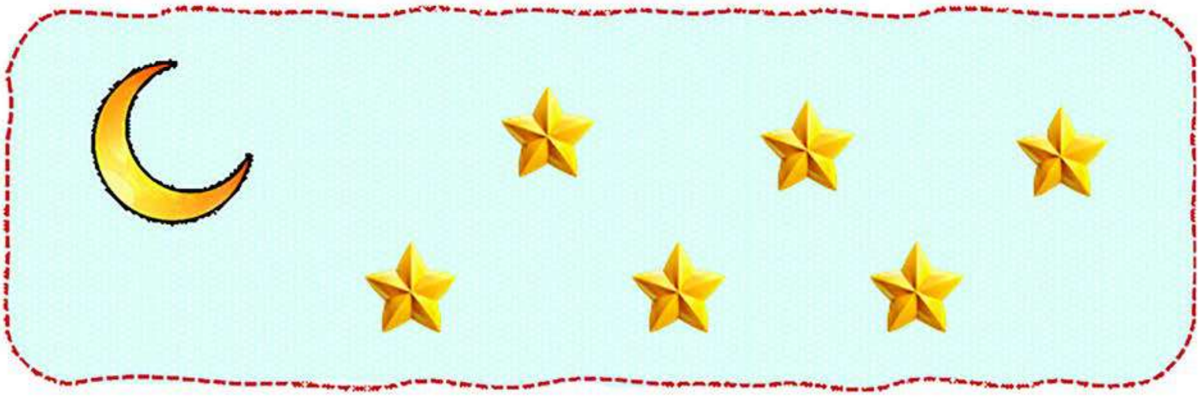

आइए सुनें।

1. अनार, आम, अजगर

   इन शब्दों में पहली ध्वनि कौन–सी है?

2. जिन शब्दों की पहली ध्वनि 'आ' है, उनके आगे सही (✓) का चिह्न लगाइए –

ताला

आम

माला

आग

अनार

आँवला

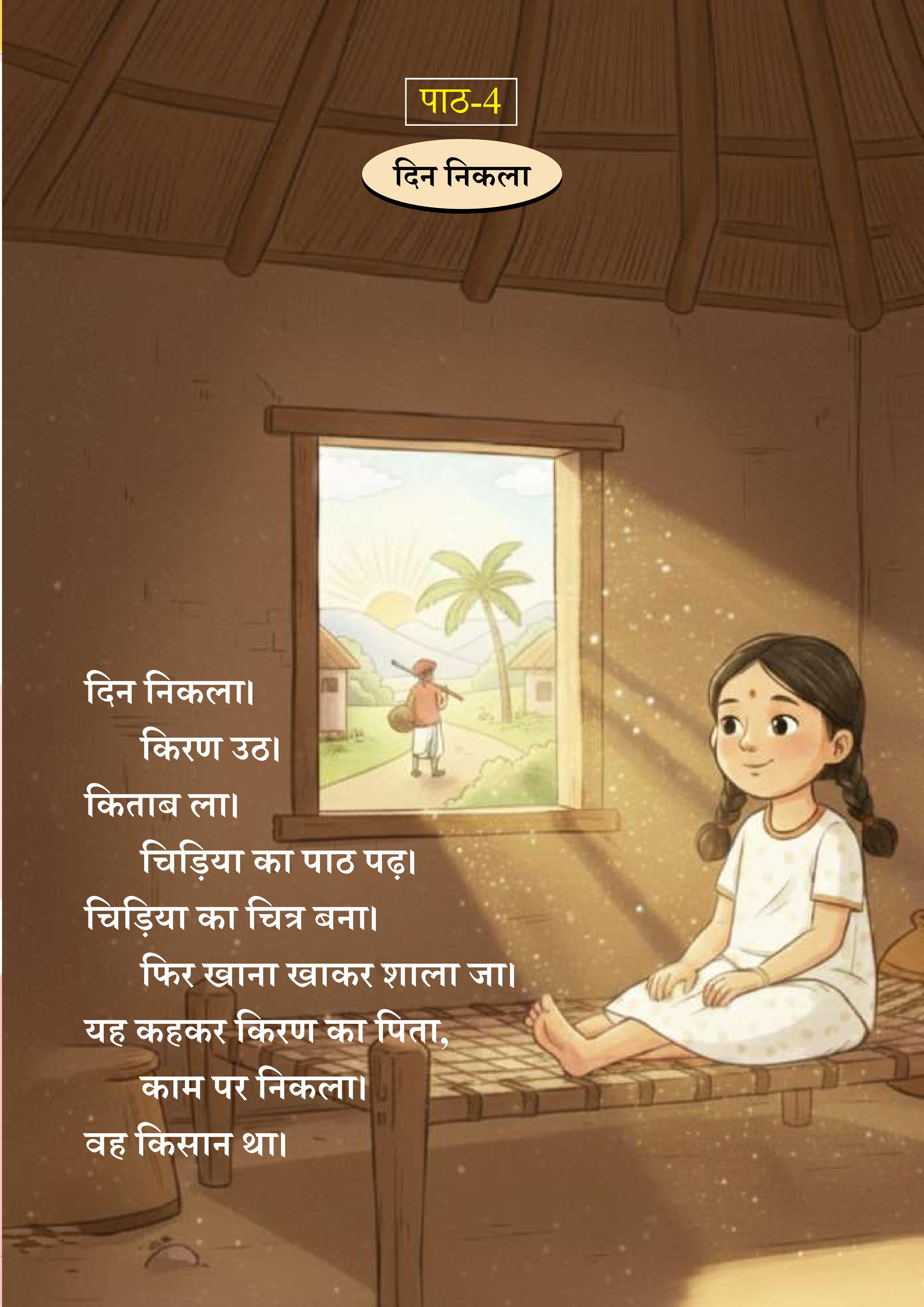

पाठ-4

दिन निकला

दिन निकला।
    किरण उठ।
किताब ला।
    चिड़िया का पाठ पढ़।
चिड़िया का चित्र बना।
    फिर खाना खाकर शाला जा।
यह कहकर किरण का पिता,
    काम पर निकला।
वह किसान था।

1. चित्र देखकर मिलान करिए -

हिरण
किताब
चिड़िया
गिलास

2. शब्द बनाकर लिखिए -

म : शा, ना, बा, आ, का, दा

ल : मि, हि, छि, बि, सि, दि

....

3. पढ़िए -

दिन	किरण	गिन	चिमटा
किसान	गिलास	बिल	हिरण

4. उचित अक्षर पर (ि) की मात्रा लगाकर शब्द बनाइए -

जैसे -

दल	दिल
कव	
करण	
चमटा	
गुड़या	
सवता	
गणत	

5. जिन अक्षरों पर (ि) मात्रा लगी है, उन पर गोला लगाइए -

दिन	रवि	कार
किरण	माला	गिलास

6. पढ़िए -

दादा का छाता

नाना का छाता

अमन का मकान

उमा का मकान

7. पढ़िए -

किसान अपना हल चलाता,
हल पकड़कर गाना गाता।
विजय करता अपना काम,
हर पल, हर दम बिन आराम।
विनय करता एक न काम,
करता रहता वह आराम।
किसान निकला यह कहकर,
बिन काम, आराम न कर।

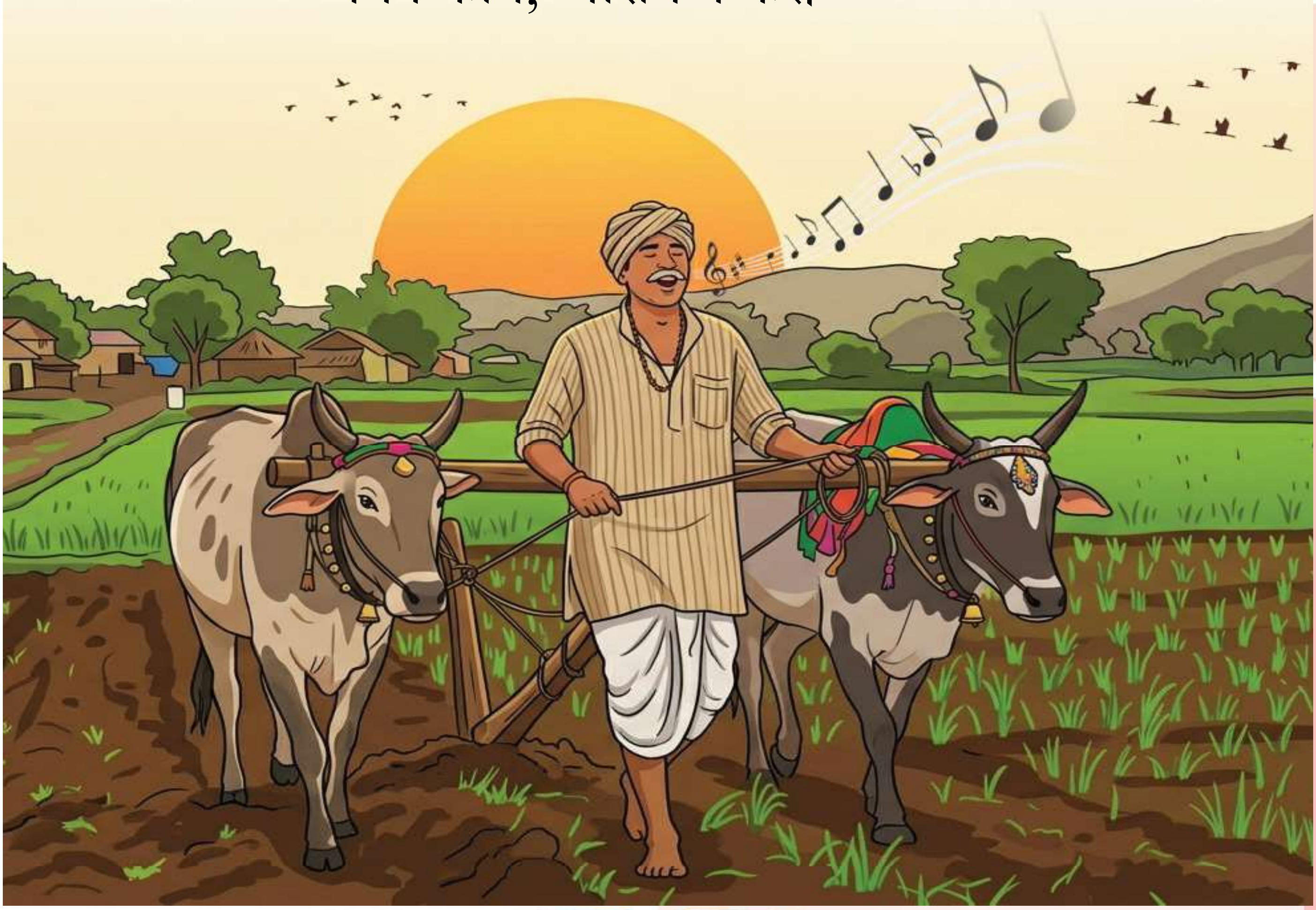

पाठ-5

सीमा की बकरी

सीमा की एक बकरी थी।
उसका नाम कबरी था।
वह हरी-हरी घास खाती थी।
वह नदी का पानी पीती थी।

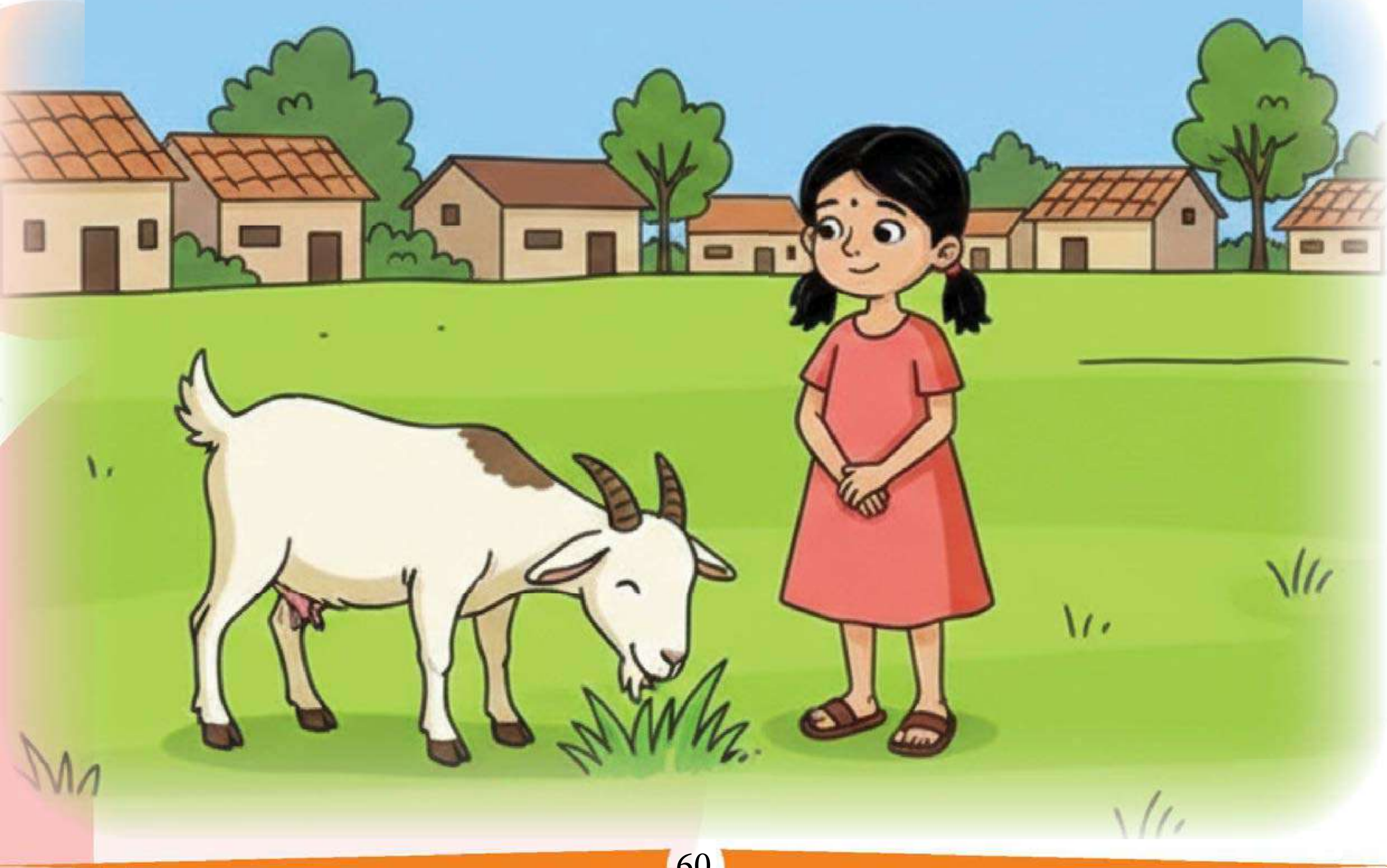

एक दिन वह अजीत की बाड़ी चली गई।
कबरी अजीत की सारी भाजी खाकर भाग गई।

1. पढ़िए -

र	री
ल	ली
ज	जी
त	ती

न	नी
म	मी
स	सी
प	पी

दी	बी	फ	ली
त	नी	द	फी
र	ची	घी	स

2. पहचानिए और लिखिए -

क	की	......	......
द	दी	......	......
न	नी	......	......

त	ती	......	......
ब	बी	......	......
स	सी	......	......

3. जोड़कर लिखिए -

दा दी → दादी ....

रा नी → रानी ....

का की → काकी ....

ब क री → बकरी ....

4. पढ़िए -

मालती की लाल-पीली माला।

विजय की नीली-पिली कमीज।

हवा चली

हवा चली जी, हवा चली,
सर-सर, सर-सर हवा चली।

घर की छत पर हवा चली,
भीतर-बाहर हवा चली।

दिनभर सर-सर हवा चली,
रात रात भर हवा चली।

ठहर-ठहर हवा चली,
हवा चली जी, गली-गली।

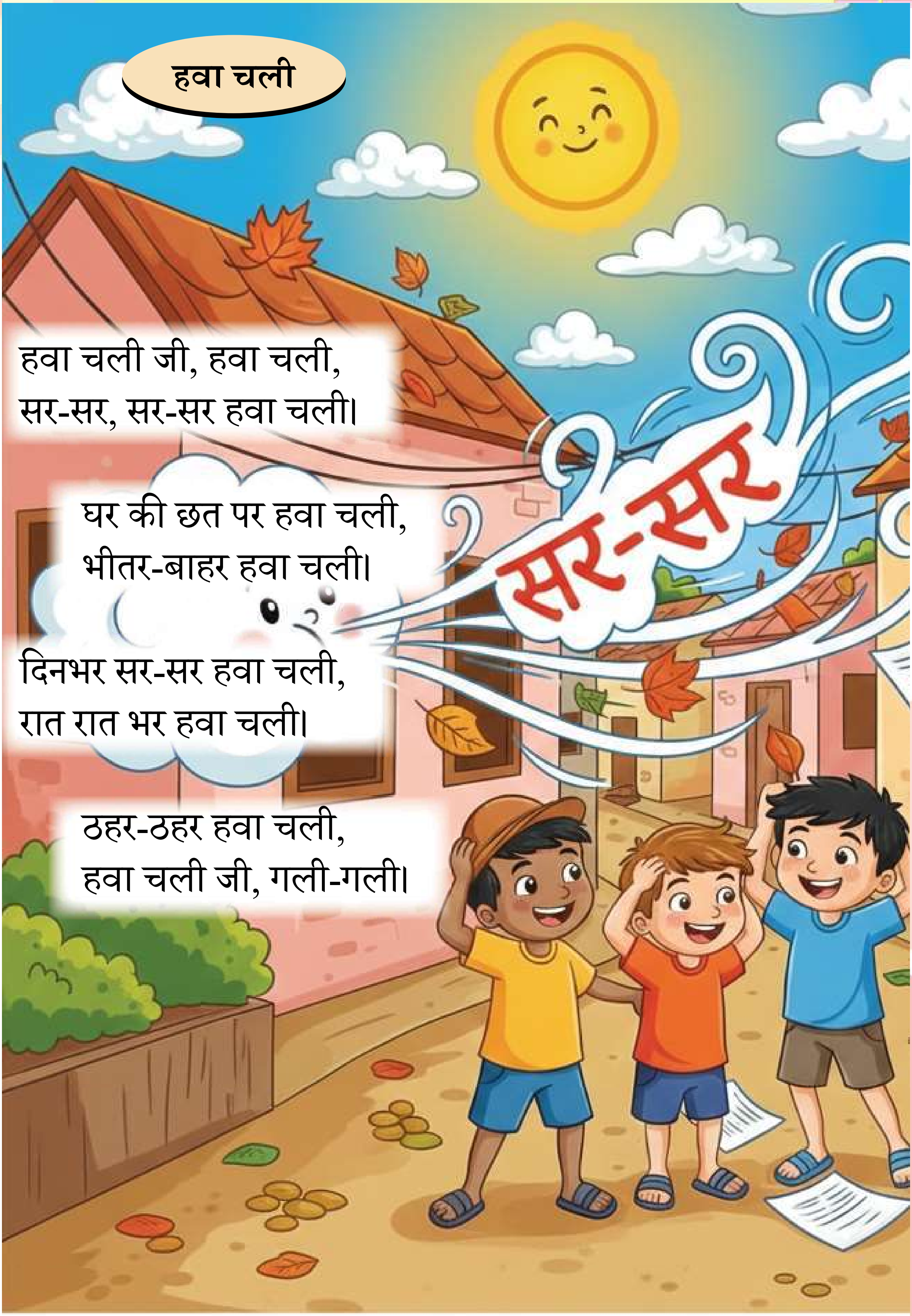

पाठ-6

गुड़िया

एक गुड़िया थी।
उसका नाम कुसुम था।
वह बहुत फुदकती थी।
सिर पर मुकुट पहनती थी।

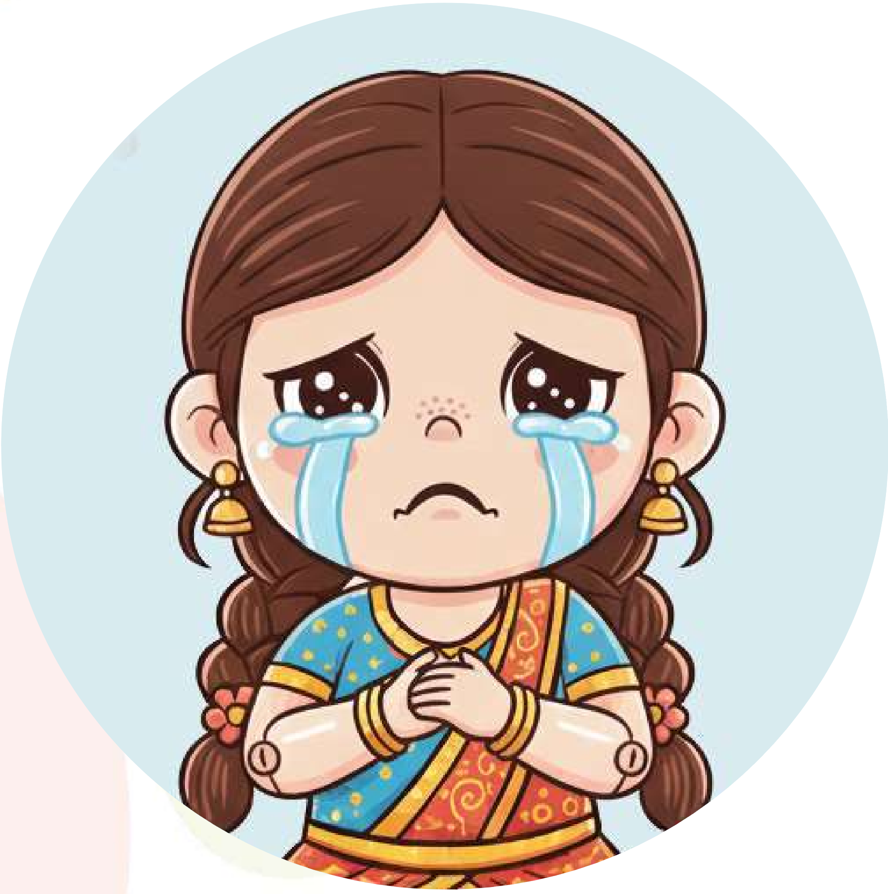

एक दिन मुकुट गिर गया।
वह बहुत दुखी हुई।

1. पढ़िए -

त	तु
ड	डु
फ	फु
म	मु

झ	झु
ठ	ठु
स	सु
ग	गु

त	ता	ति	ती
प	पा	पि	पी
ख	खा	खि	खी
र	रा	रि	री

2. पहचानिए और लिखिए -

भ	भु	......	......
त	तु	......	......
म	मु	......	......

न	ना	......	......
प	पु	......	......
क	कि	......	......

3. जोड़कर लिखिए -

क छु आ ....

ध नु ष ....

गु ला ब ....

पु लि या ....

कु सु म ....

मु नि या ....

4. पढ़िए -

गुनगुन गीत गुनगुनाई।
शुभम एक गीत गाया।

5. पढ़िए -

लाल गुलाब

रानी का मुकुट

6. पढ़ने के लिए -

एक थी चुनमुन।
एक थी मुनमुन।
गुनगुन-गुनगुन।
गाती चुनमुन।
गुमसुम-गुमसुम।
रहती मुनमुन।

पाठ-7

चूहाराम

चूहा राम गया बाजार।
टूटी-फूटी उसकी कार।

दिखी सड़क पर एक दुकान।
मगर भूल गया वह सामान।

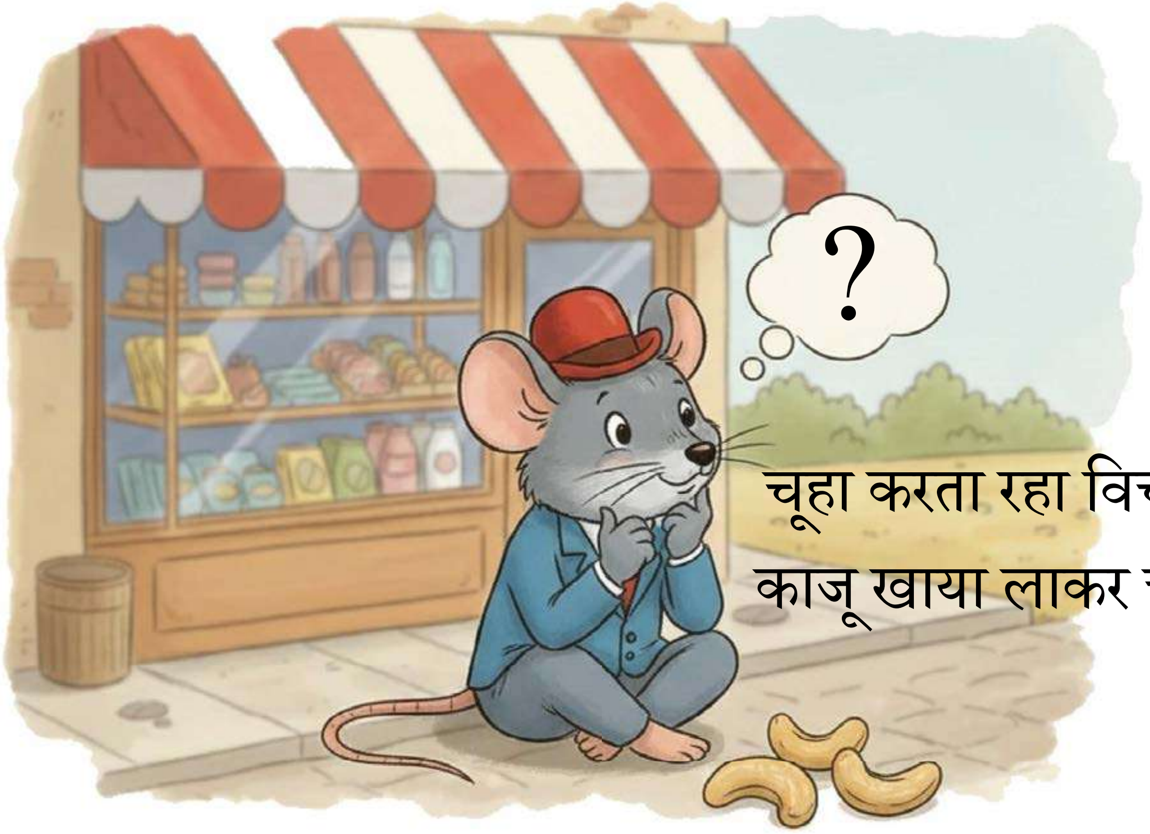

चूहा करता रहा विचार।
काजू खाया लाकर चार।

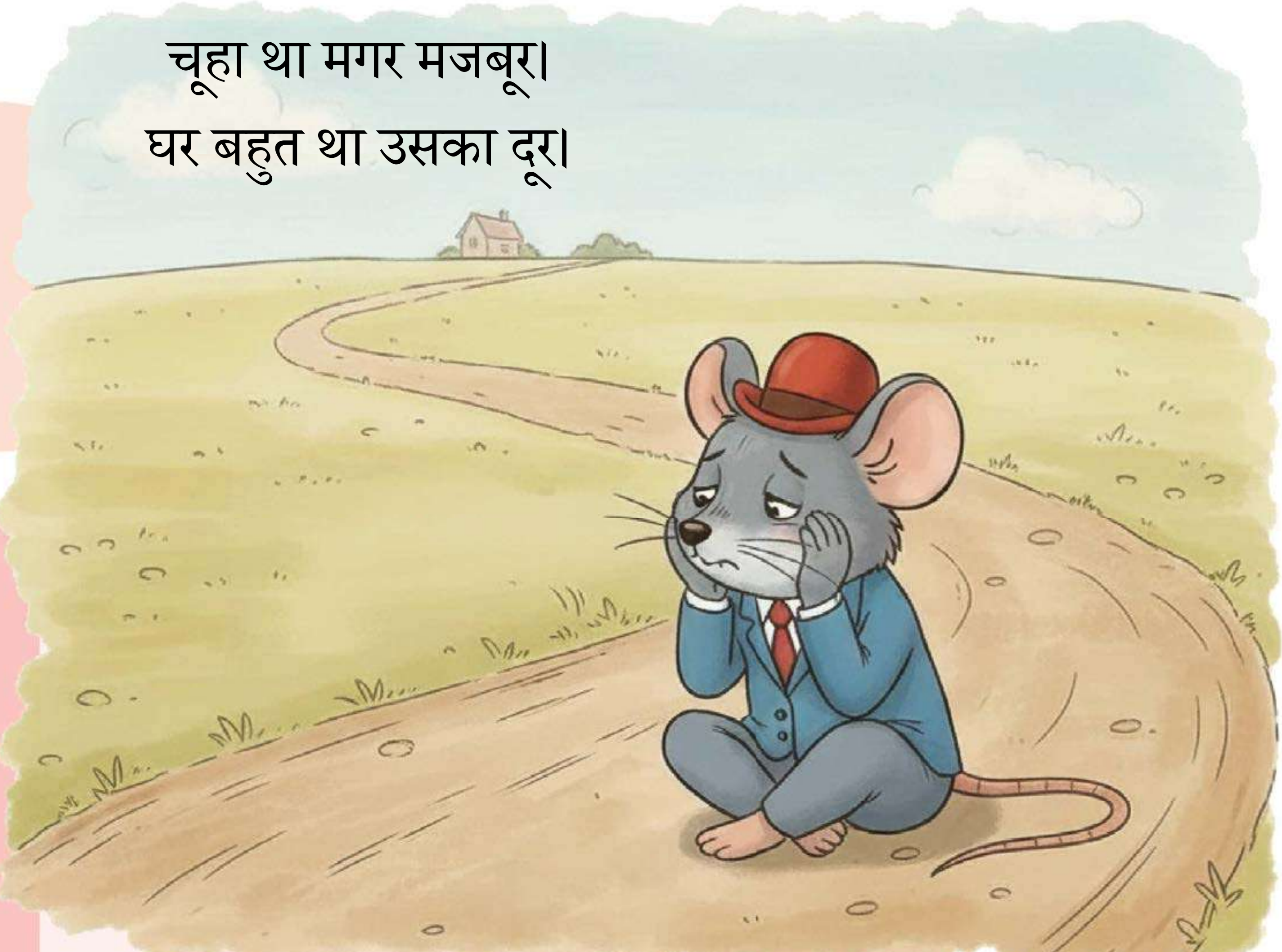

चूहा था मगर मजबूर।
घर बहुत था उसका दूर।

1. पढ़िए और लिखिए -

थ	थु	थू	थु	थू
द	दु	दू	.....	.....
न	नु	नू	.....	.....
ल	लु	लू	.....	.....

ख	खा	खि	खी	खु	खू
घ	घा	घि	घी	घु	घू
ट	टा	टि	टी	टु	टू
ठ	ठा	ठि	ठी	ठु	ठू

2. जोड़कर लिखिए और पढ़िए -

चू जा ....

चू हा ....

फू ल ....

पू जा ....

टु क ड़ा ....

श गु न ....

म श रु म ....

क बू त र ....

3. पढ़िए -

मूली	पूजा	दूध	फुल	सूपा	सूजा	जूता	काजू
राजू	कचालू	आलू	कबूतर	झूला	चाकू	सूरज	भालू

4. पढ़िए -

राजू झूला झूल।

पूजा जूता पहन ली।

भालू आलू खाया।

5. पठन सामग्री -

सूरज उगा

सूरज उगा।

धूप निकली।

अनूप बाजार गया।

फूल खरीदकर लाया।

आकर दूध गरम किया।

फिर वह दूध पीकर शाला गया।

वापस आकर झूला झूला।

फिर खूब पढ़ाई की।

पाठ–8

2EHLE2

मेला

मेले में झूला, झूले में हम।
जोर से झुलाओ, नहीं डरेंगे हम।
मेले में सरकस, देखेंगे हम।
खाएँगे मिठाई, घूमेंगे हम।

1. चित्र देखकर पढ़ो और समझो –

' े ' की मात्रा –

सरकस

स	र	क	स

स

से	ब

सेब

से

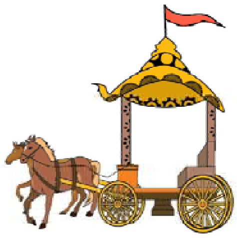

रथ

र	थ

र

रे	ल

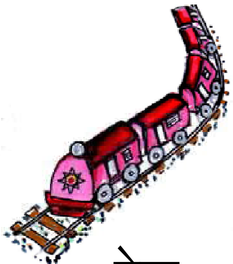

रे

रेल

ठठेरा

ठ	ठे	रा

ठ

ठे	ला

ठे

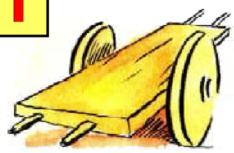

ठेला

2. इन शब्दों पर ' े ' की मात्रा लगाकर पूरा करो –

सब	कला	रल	ठला
खत	खल	तल	सठ

3. चित्र देखकर पढ़ो –

'ै' की मात्रा

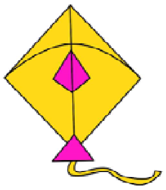

| प | तं | ग |

पतंग

प

| पै | र |

पै

पैर

| ब | ट | न |

बटन

ब

| बै | ल |

बै

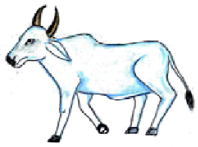

बैल

| म | ट | का |

मटका

म

| मै | ना |

मै

मैना

4. ै की मात्रा लगाकर शब्द पूरा करो –

पर   बल   मना   पसा

5. इन शब्दों में 'ै' की मात्रा लगाकर लिखो और पढ़ो

कसा – कैसा   बठा – ———————

मना – —————   रना – ———————

सर – —————   जसा– ———————

बातचीत के लिए –

1. मेले में क्या–क्या चीजें आती हैं?
2. "जोर से झुलाओ, नहीं डरेंगे हम।" बच्चे ऐसा क्यों कह रहे होंगे?
3. बच्चे मेले में क्या–क्या करना चाह रहे हैं?

रंग भरिए–

बिना रंग–भरे चित्र में दिए गए चित्र जैसा रंग भरिए–

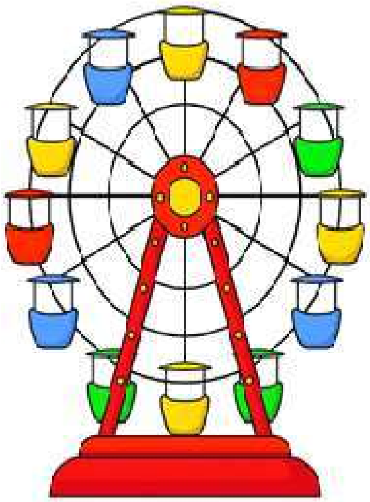

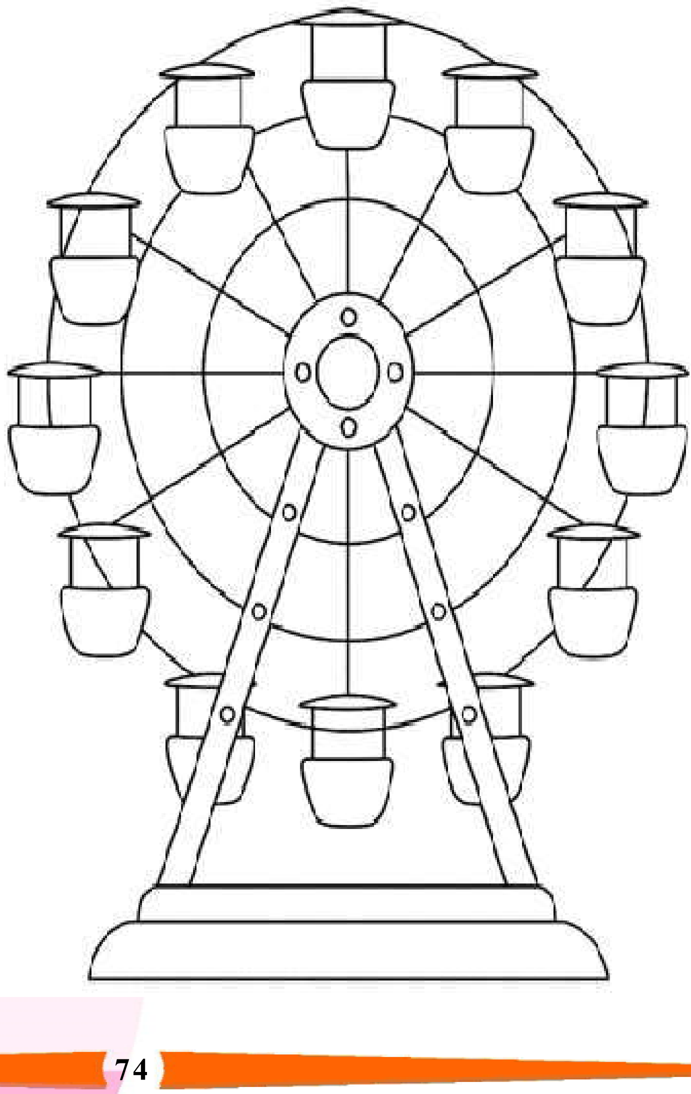

चित्र और बातचीत–

शिक्षण–संकेत–

1. मेले में क्या–क्या दिखाई दे रहा है?
2. कौन–कौन से झूले हैं?
3. मेले में बच्चों को सबसे अधिक क्या पसंद आया होगा?
4. आप अपने यहाँ लगने वाले मेले के विषय में बताइए।

आनंदमयी कविता

कबरी झबरी बकरी

बकरी कबरी, बकरी झबरी
कबरी झबरी बकरी;
आगे निकली कबरी बकरी,
पीछे रह गई झबरी।
आगे–आगे कबरी बकरी,
पीछ–पीछे झबरी;
साथ चली थीं,
हो गई आगे–पीछे
कबरी झबरी बकरी

– प्रभात

शिक्षण–संकेत – बच्चों के साथ कबरी और झबरी बकरियों के रूप–रंग के बारे में बातचीत कीजिए। 'झबरा', 'कबरा', 'बकरा' आदि शब्दों से तुकबंदी करते हुए बच्चों से नई कविता की रचना करवाएँ।

शब्दों का खेल

शिक्षक द्वारा दिए गए निर्देशों को ध्यान से सुनिए और बनाइए–

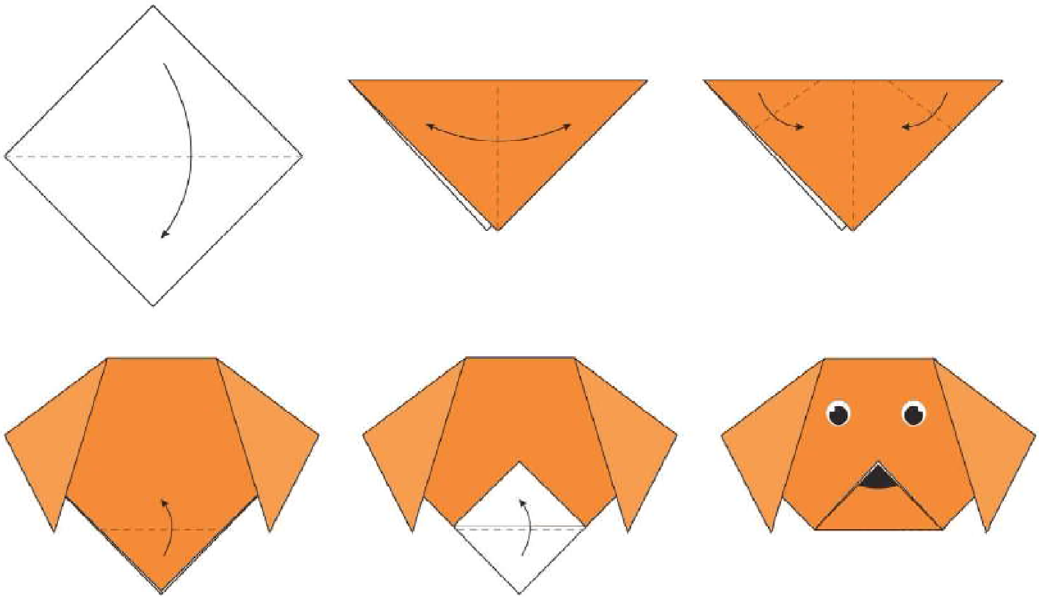

1. एक चौकोर कागज़ लें और उसे चित्र में दिखाए अनुसार टूटी रेखा पर मोड़ें।
2. आपको एक तिकोना कागज़ मिलेगा, उसे चित्र के अनुसार टूटी रेखा पर दो छोटे तिकोनों में मोड़ें, इससे दो कान जैसे बन जाएँगे।
3. नीचे वाले तिकोने को ऊपर की ओर थोड़ा–सा मोड़ लें, इससे कुत्ते का मुँह बनेगा।
4. इस कुत्ते के चेहरे पर कलम या रंग से आँखें और मुँह बना दें। कुत्ते का चेहरा तैयार है!

शिक्षण–संकेत– शिक्षक एक–एक करके बच्चों को निर्देश दें। इस बात का ध्यान रखें कि बच्चे अपनी गति से काम करेंगे। बच्चों को अपनी गति से काम करने की स्वतंत्रता प्रदान करें।

ए

ऐ

यहाँ कुछ शब्द दिए जा रहें हैं, इनमें से 'ए' को खोजिए और घेरा लगाइए –

ऐनक   एक   नए   एकता   एकाएक   ऐरावत

दिए गए अक्षरों को जोड़कर अपने शब्द बनाइए–

से	ब	स
ठ	ठे	रा
के	ला	मै
चे	मे	ना

....

....

....

....

2N699U

पाठ–9

ओढ़नी

मेरी दादी बड़ी निराली,
हरदम चलती छतरी तान।
घर आँगन में घूमा करती,
शाल–ओढ़नी है पहचान।
धनुष–बाण, डमरू से खेले,
और छेड़े मुरली की तान।
कान में मीठी मिसरी घोले,
दादी है औरत की शान।

1. चित्र देखकर पढ़ो और समझो –

ओढ़नी, औरत, डमरू, धनुष, घड़ी, छतरी

ओढ़नी

ओ

ओ | ढ़ | नी

औ

औ | र | त

औरत

डमरू

ड

ड | म | रू

ध

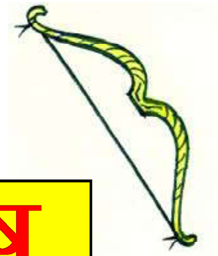

ध | नु | ष

धनुष

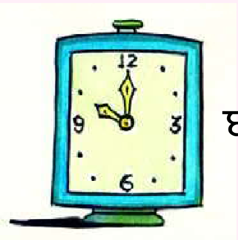

घड़ी

घ

घ | ड़ी

छ

छ | त | री

छतरी

बातचीत के लिए

1. दादी छतरी तानकर क्यों चलती होगीं?
2. क्या दादी गरमियों में भी शाल ओढ़ती होंगी? क्यों?
3. आपके दादा–दादी/नाना–नानी आपको क्यों अच्छे लगते हैं?
4. आपकी दादी क्या–क्या करती हैं?

आवाजें तरह–तरह की

हमें आस–पास कई प्रकार की आवाजें सुनाई देती हैं, जैसे–

घड़ी बजने पर 'टिक–टिक'
डमरू बजने पर 'डम–डम'
छड़ी की आवाज 'टक–टक'

बताइए, इन वस्तुओं की आवाजें कैसी होती हैं–

पानी में चलना

सूखे पत्तों पर चलना

गुब्बारा फूटना

बर्तनों का गिरना

बारिश की बूँदों का गिरना

माँ का पुकारना

शिक्षण–संकेत – बच्चे जो भी उत्तर दें, उन्हें स्वीकार करें। आस–पास की अन्य आवाजों के बारे में भी चर्चा करें।

1. सही उत्तर चुनकर लिखिए –

क. डमरू की आवाज कैसी होती है? ....

(डम–डम / ढम–ढम)

ख. मिश्री स्वाद में कैसी होती है? ....

(खट्टी / मीठी)

ग. हम छतरी कब ओढ़ते हैं? ....

(ठंड में / बरसात में)

2. नीचे दिए गए चित्रों को शब्दों के साथ जोड़िए –

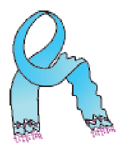	घड़ी
	छतरी
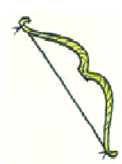	ओढ़नी
	डमरू
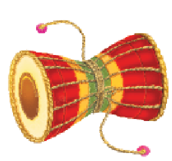	औरत
	धनुष

शब्दों का खेल

1. 'घ' से शुरू होने वाले शब्दों को पहचानिए, अनुमान लगाकर पढ़िए और लिखिए–

घड़ी	ओखली	घर	धान का पौधा
....	....	....	....

2. नीचे दिए गए चित्रों के नाम सुनिए–

ओढ़नी

कोयल

लोटा

औरत

घोंसला

पौधा

3. नीचे दिए गए चित्रों के नाम बताइए और लिखिए–

कौआ	घड़ी	धागा	ओखली
....	....	....	....

4. 'तान' शब्द में 'ता' और 'न' अक्षर जुड़े ही हैं। यदि 'ता' की जगह 'मा', 'शा', 'का', 'ठा', 'जा', 'गा' जोड़ें, तो क्या–क्या शब्द बनेंगे? इन्हें लिखिए और पढ़कर सुनाइए–

5. सबसे बड़ी छतरी पर रंग भरिए –

मा — न → मान

शा — न → ....

का — न → ....

ठा — न → ....

जा — न → ....

गा — न

पाठ–10

2NP1D5

खिलौनेवाला

चलो खिलौने खेलें हम,
हाथी, भालू ले लें हम।
चाबी वाले कौआ, मोर,
फुदक रहे हैं चारों ओर।

मोनू ने आवाज लगाई,
चौकी–बेलन ले लो भाई।
जोकर वाली टोपी ले लो,
खूब मजे से तुम सब खेलो।

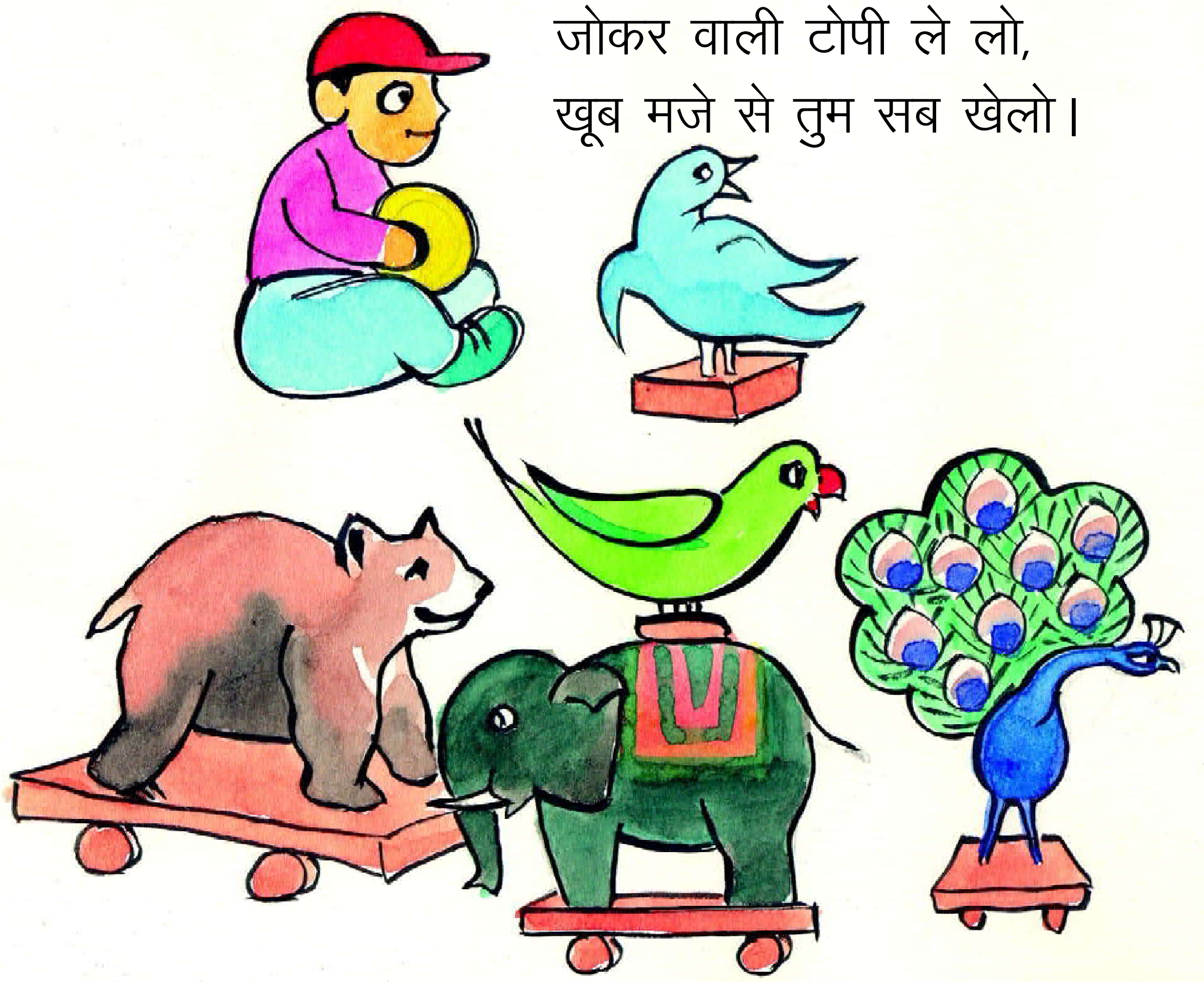

गतिविधि

1. चित्र देखकर पढ़ो और समझो –

‘ ो ’ की मात्रा –

मटर

म | ट | र

म

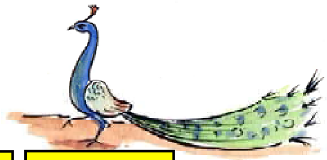

मोर

मो | र

मो

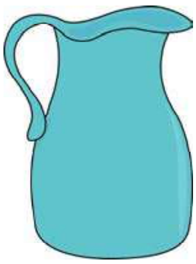

जग

ज | ग

ज

जोकर

जो | क | र

जो

चना

च | ना

च

चौकी

चौ | की

चौ

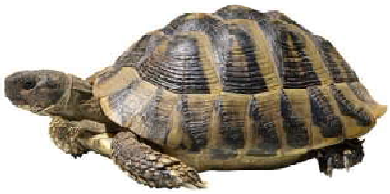

कछुआ

क	छु	आ

क

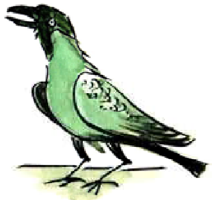

कौआ

कौ	आ

कौ

2. चित्रों के नाम का शुरू अक्षर लिखो–

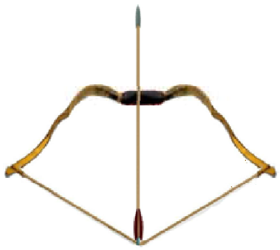

______ ______ ______ ______ ______

3. शब्द बनाकर लिखो और पढ़ो –

मो
भो —— र
शो

____
____
____

बातचीत के लिए

1. खिलौनेवाले के पास कौन–कौन से खिलौने हैं?
2. आपको कौन–कौन से खिलौने पसंद हैं?
3. अगर आपके पास खिलौने न हो तो आप कैसे खेलेंगे?

शब्दों का खेल

1. शब्दों का दूसरा साथी खोजकर बताइए, लिखिए और पढ़कर सुनाइए–

चौकी	–	लौकी
कप	–	....
धनुष	–	....
ताला	–	....

2. चित्रों के नाम लिखकर वाक्य पूरा कीजिए–

	लड़की का छाता	
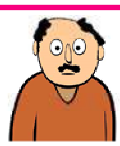	——— का ———	
	——— का ———	
	——— का ———	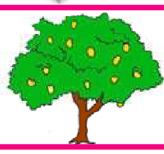
	——— का ———	

3. नीचे दिए गए शब्दों को पढ़िए। अब इनमें 'ओ' (ो) या 'औ' (ौ) की मात्रा लगाकर शब्द बनाइए और लिखिए–

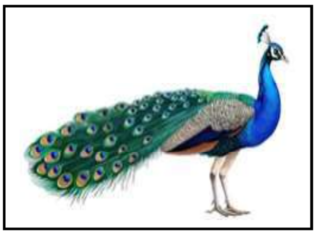

मर –........... जकर–........... चकी –......... कआ–............

पढ़िए और मिलाइए

चढ़ें पेड़ पर पकड़म-पकड़ी आओ झूलम-झूली खेलें

छुपन-छुपाई खेलें धरती में बीजों को बोएँ

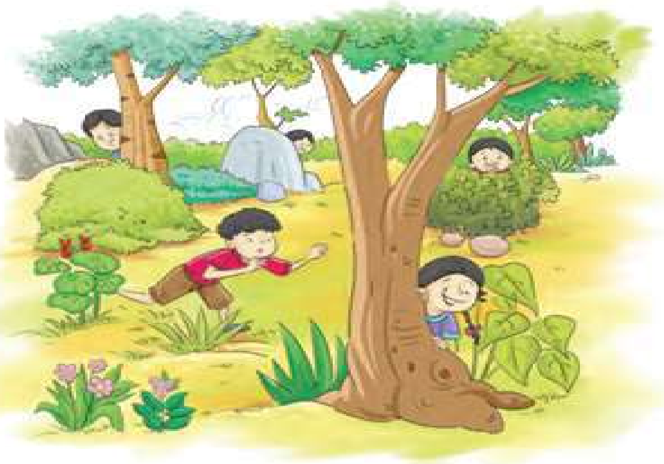

खेल–खेल में

कक्षा के अपने साथियों के साथ मिलकर कविता में दिए गए खेल खेलिए।

खेल का चित्र बनाकर अपने परिवार के लोगों को बनाइए।

झटपट कहिए

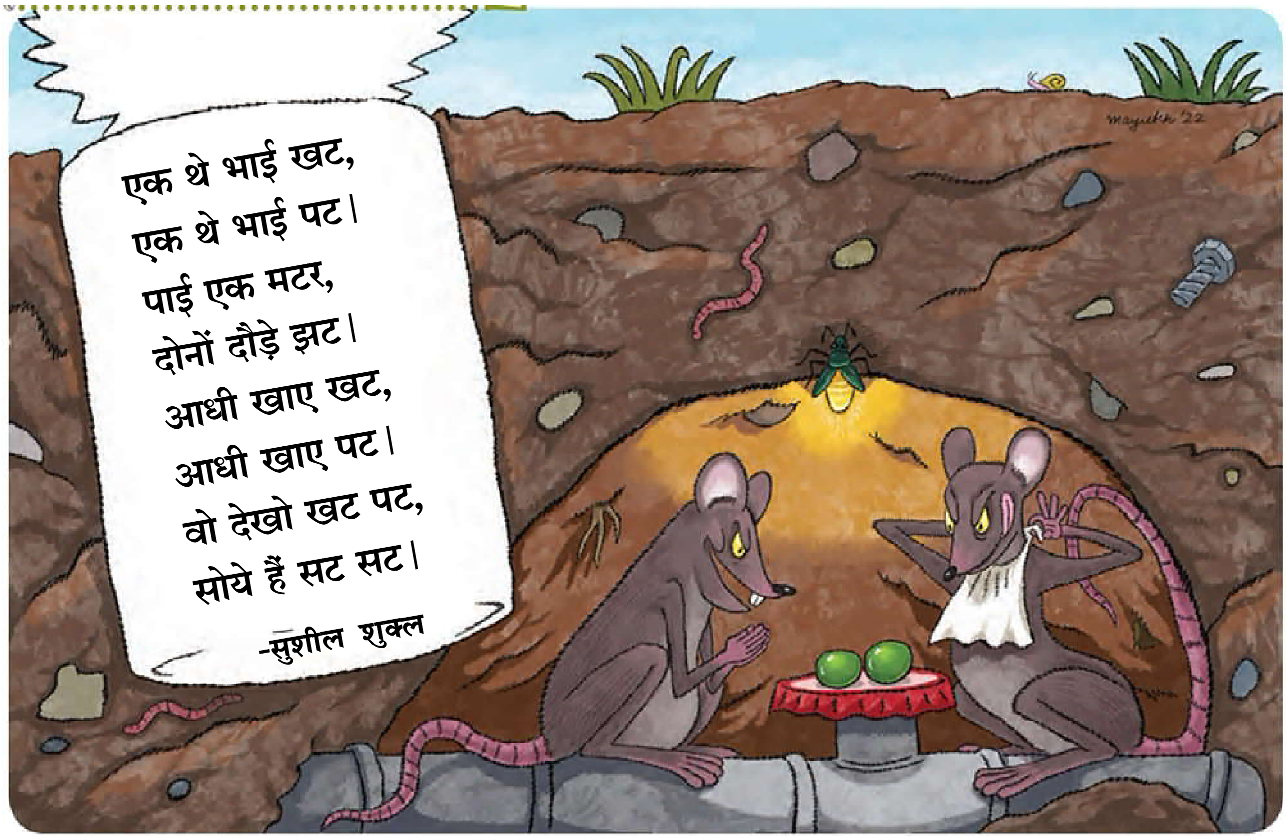

पाठ–11

झंडा

ये है अपना झंडा,
कहते इसे तिरंगा।

झंडा देश की शान है,
हम सबकी पहचान है।

हम सब हँसते–हँसते,
इसको करें नमस्ते।

1. चित्र देखकर पढ़ो और समझो –

अंगूर, झंडा, यज्ञ, थन, षटकोण, ढपली

अं

अंगूर

अं गू र

झ

झं डा

झंडा

य

यज्ञ

य ज्ञ

थ

थ न

थन

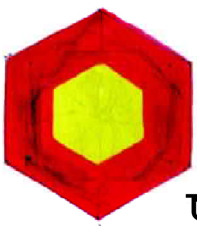

ष

षटकोण

ष ट को ण

ढ

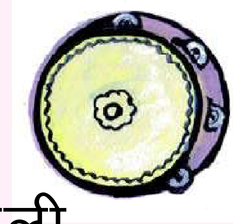

ढपली

ढ प ली

संजना स्कूल से अपने घर जा रही है बताइए उसे रास्ते में क्या–क्या दिखा–

बोलकर पढ़िए –

य	थ	ढ	अं	ष	ज्ञ
ष	झ	अं	य	थ	द
य	प	ध	थ	ड	ढ
अ	अं	ष	ब	ज्ञ	इ

शब्दों का खेल

शब्दों का चित्र से मिलान करिए –

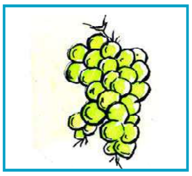

थन

ढपली

यज्ञ

झंडा

अंगूर

षटकोण

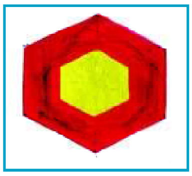

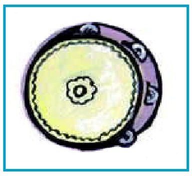

तिरंगे झंडे के तीन रंग हैं–

केसरिया

सफेद

हरा

नीचे बनी आकृतियों में तिरंगे के अलग–अलग रंग भरकर उनके रंगो के नाम लिखिए।

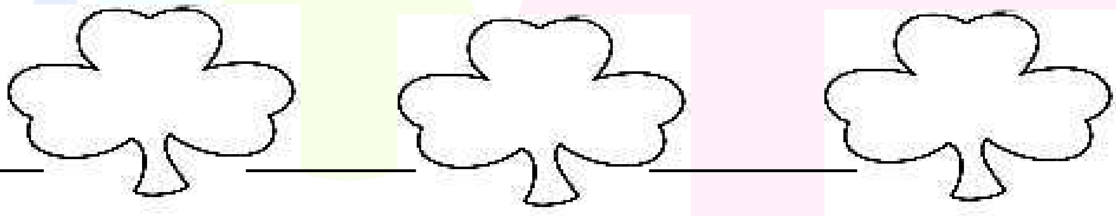

_______ _______ _______

नीचे दिए गए शब्दों में 'अं' (ं) की मात्रा लगाकर सही शब्द बनाइए–

सतरा बदर घटी

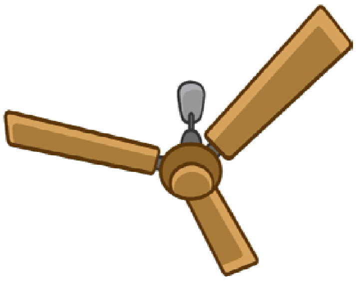

झडा पखा पतग

तिरंगे झंडे का चित्र बनाकर रंग भरिए–

कैसे–कैसे रंग –

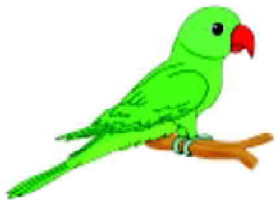

तोता

स्लेट

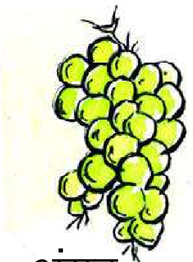

अंगूर

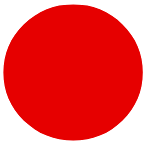

____

____

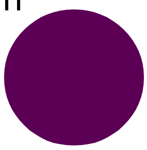

____

____

सेब

____

____

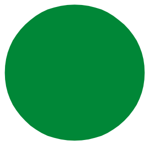

____

____

____

टमाटर

लड्डू

भटा

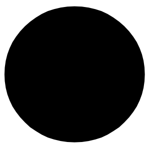

____

____

भाजी

खीरा

चित्र पहचानकर नाम लिखिए –

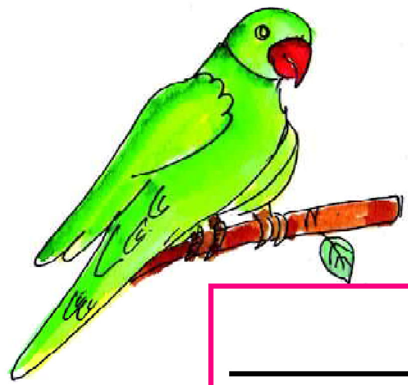

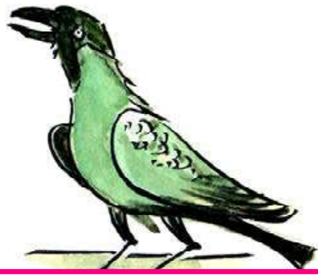

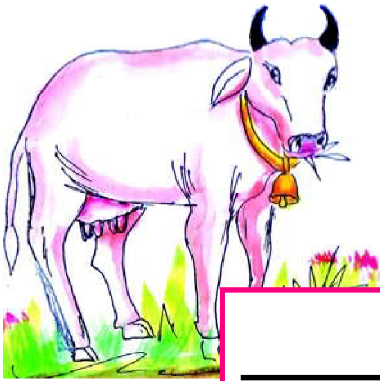

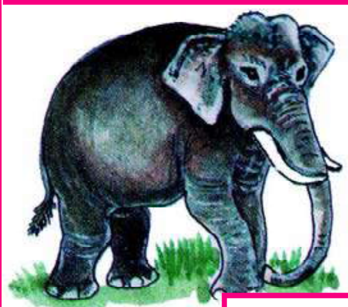

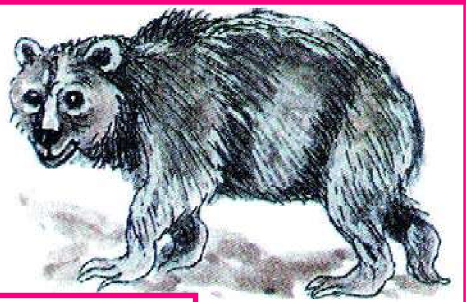

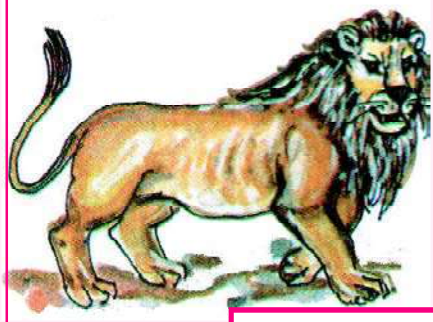

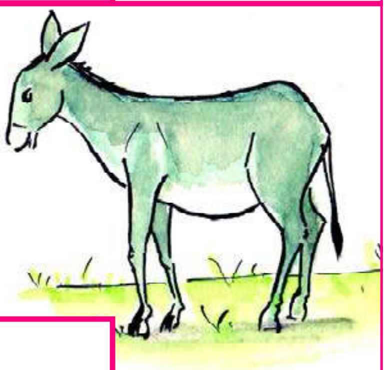

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. इस कविता में किसके बारे में बात की गई है?

....

2. झंडा फहराने के दौरान क्या–क्या होता है?

....

....

3. तालिका में दी गई बातों के विषय में बताइए और नाम लिखने का प्रयास कीजिए–

आपने झंडा कहाँ–कहाँ देखा है?	आपकी शाला में झंडा कब–कब फहराते हैं?

पाठ–12

बंदर और गिलहरी

एक बंदर पेड़ पर बैठा था। बंदर की पूँछ बहुत लंबी थी। इतनी लंबी थी कि जमीन तक लटक रही थी। एक गिलहरी जमीन पर उछल–कूद कर रही थी।

अचानक उसे पूँछ दिखाई दी। उसने सोचा–यह झूला कहाँ से आ गया ? थोड़ी देर पहले तो नहीं था। वह पूँछ पर चढ़कर झूलने लगी। बंदर को गुदगुदी हुई। उसने नीचे देखा। वह हँस कर बोला–बहन गिलहरी ! यह क्या कर रही हो ? मुझे गुदगुदी हो रही है। गिलहरी चौंकी–बंदर भैया, यह तुम हो? मैं तो तुम्हारी पूँछ को झूला समझकर झूल रही थी। बड़ा मजा आ रहा था।

और गिलहरी हँसती हुई पेड़ की डाली पर चढ़ गई।

गप्पें

बंदर की पूँछ लंबी थी, इतनी लंबी थी,
इतनी लंबी जैसे सड़क
चूहे की मूँछ इतनी घनी थी, इतनी घनी थी,
इतनी घनी थी जैसे .... ।

भालू इतना मोटा था, इतना मोटा था,
इतना मोटा था जैसे .... ।
ऊँट इतना ऊँचा था, इतना ऊँचा था,
इतना ऊँचा था जैसे .... ।

चुहिया इतनी छोटी थी, इतनी छोटी थी,
इतनी छोटी थी जैसे .... ।
कुत्ते की पूँछे इतनी टेढ़ी थी, इतनी टेढ़ी थी,
इतनी टेढ़ी थी जैसे .... ।

कोयल की .... इतनी ....थी..................................
....................जैसे .... ।

बातचीत के लिए –

1. आप कई तरह के झूलों में झूले होंगे, जैसे – रहँचुली और हवाई झूला। इसके अलावा आप और किन–किन झूलों में झूले हैं और किन–किन चीजों में झूले की तरह झूल सकते हैं?
2. यदि आपको घर पर झूला बनाना है, तो आप इसके लिए क्या–क्या करेंगे?
3. 'बंदर और गिलहरी' की जगह यह कहानी आपको 'हाथी और भालू' के लिए बतानी हो तो आप कैसे बताएँगे? छोटे समूह में चर्चा कीजिए और अपनी कक्षा में सुनाइए।

आनंदमयी कविता

पटका–पटकी

एक था मटका,
एक थी मटकी।
दोनों में हो गई,
झूमा–झटकी।

मटका अकड़ा,
मटकी ने पकड़ा।
दोनों में हो गई,
पटका–पटकी।

पढ़िए और मिलाइए

उछल–कूद करने और उछल–कूद ना करने वाले जीवों का रेखा खींचकर मिलान कीजिए –

गाय		कुत्ता
शेर	उछल–कूद करते हैं।	गिलहरी
गधा		ऊँट
बिल्ली	उछल–कूद नहीं करते हैं।	हाथी
चूहा		खरगोश

पहेली

घास खाऊँ हरी–हरी,
कान मेरे खड़े–खड़े।
नाम बताओ मेरा तुम,
और बनो होशियार बड़े।

पंख फैलाकर नाचूँ मैं,
बादल छाए चारों ओर।
दो अक्षर का मेरा नाम,
लोग कहते मुझको...... ।

शब्दों का खेल

1. नीचे दिए गए शब्दों जैसे और शब्द बताइए। उन्हें लिखने का प्रयत्न कीजिए और पढ़कर सुनाइए–

छोटी – मोटी ....

लटक – ....

आपने जो नए शब्द बनाए हैं, उन पर एक–एक वाक्य बनाइए –

मेरी गुड़िया मोटी है। ....

....

....

2. अलग ध्वनि से अंत होने वाले शब्दों को पहचानकर लिखिए –

(अ) रोटी छोटी गोल चोटी ....

(ब) जय लय भय साँप ....

3. इस कहानी में बंदर और गिलहरी के नाम आए हैं। ऐसे कुछ और नाम बताइए जिनमें 'ब' या 'ग' अक्षर हो –

....

....

झटपट कहिए

कच्चा पापड़, पक्का पापड़।

भालू को आलू भाया, भाया भालू को आलू।

देखिए और लिखिए

1. 'झ', 'ख', 'ड़', 'ऊ' की पहचान कीजिए और अक्षर लिखिए –

....

....

....

....

....

2. दिए गए अक्षरों को खोजिए और घेरा लगाइए–

प

म	प	न
प	ह	फ

झ

झ	प	झ
स	झ	व

ड़

ड़	ठ	ड
इ	ड़	ढ़

ऊ

उ	झ	ऊ
ऊ	छ	उ

चित्र और बातचीत

शिक्षण–संकेत– चित्र में क्या–क्या दिख रहा है? कौन–कौन से जानवर हैं? कौन, क्या कर रहा है? आपने इनमें से कौन–कौन से जानवर देखे हैं? कहाँ देखे? आदि। चर्चा में जानवरों के रहने के स्थान, पालतू एवं जंगली जानवरों आदि पर बात की जा सकती है। शिक्षक बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बातें कहने के पर्याप्त अवसर दें।

2QS3RB

पाठ–13

दौड़

आज दौड़ का दिन था।

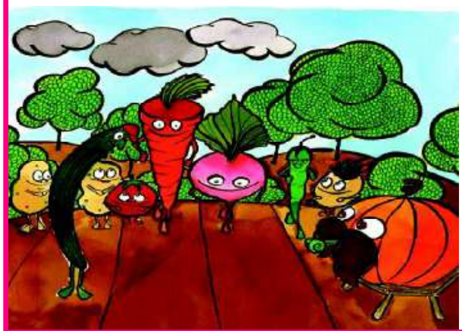

1

मूली, गाजर और मिरची दौड़ने को तैयार थे।

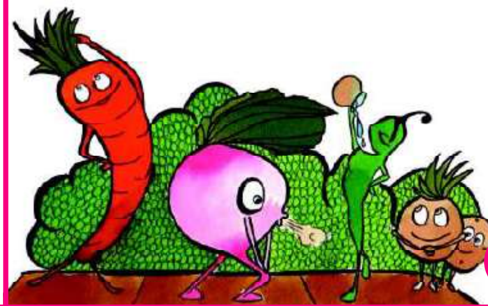

2

लौकी को देखकर सभी मजाक करने लगे।

3

लौकी बोली–''मैं ही जीतूँगी।'' मुनगा ने कहा – ''फैसला तो मुझे ही करना है।''

4

तभी तेज बारिश हुई। सभी कीचड़ में फिसले, गिरने लगे।

5

लौकी धीरे–धीरे आगे चली। वह दौड़ जीत गई।

6

बातचीत के लिए

1. लौकी को देखकर सभी मजाक क्यों उड़ाने लगे?
2. दौड़ जीतने के बाद लौकी ने क्या किया होगा?
3. दौड़ से घर लौटते समय सभी सब्जियाँ आपस में क्या–क्या बातें कर रही होंगी?
4. बाजार आपके घर से कितनी दूर पर लगता है? आप वहाँ कैसे पहुँचते हैं?

शब्दों का खेल

1. नीचे दिए गए चित्र को देखकर बताइए कि बैगन और आलू कितने–कितने हैं–

2. जोड़कर लिखिए –

क
छ
घ
ब — ड़ी
जो
पू

.... कड़ी ....
....
....
....
....
....

3. पाठ में जिन सब्जियों ने दौड़ में भाग लिया उनके चित्रों को पहचानकर उनके नाम अपनी मातृभाषा में लिखिए–

______	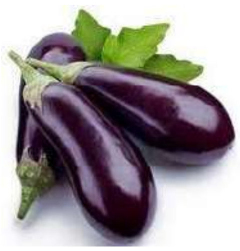 ______	______	______
______	______	______	______
______	______	______	______

पढ़िए और लिखिए –

कविता को आगे बढ़ाइए–

मकड़ी–ककड़ी–लकड़ी

हमने तीन चीज़ें देखीं,
दादा तीन चीज़ें देखीं।

एक डाल पर थी इक मकड़ी,
लकड़ी पर बैठी थी ....मकड़ी.......,
मकड़ी खा रही थी ....ककड़ी.......।

लकड़ी, मकड़ी ककड़ी,
मकड़ी, ककड़ी, लकड़ी,
ककड़ी, लकड़ी, मकड़ी।

हमने तीन चीज़ें देखीं,
दादा तीन चीज़ें देखीं।

एक खेत में थी कुछ बालू,
बालू पर बैठा था ....,
भालू खा रहा था ....।

बालू, भालू, ...,
भालू, आलू, ...,
आलू, बालू, ...।

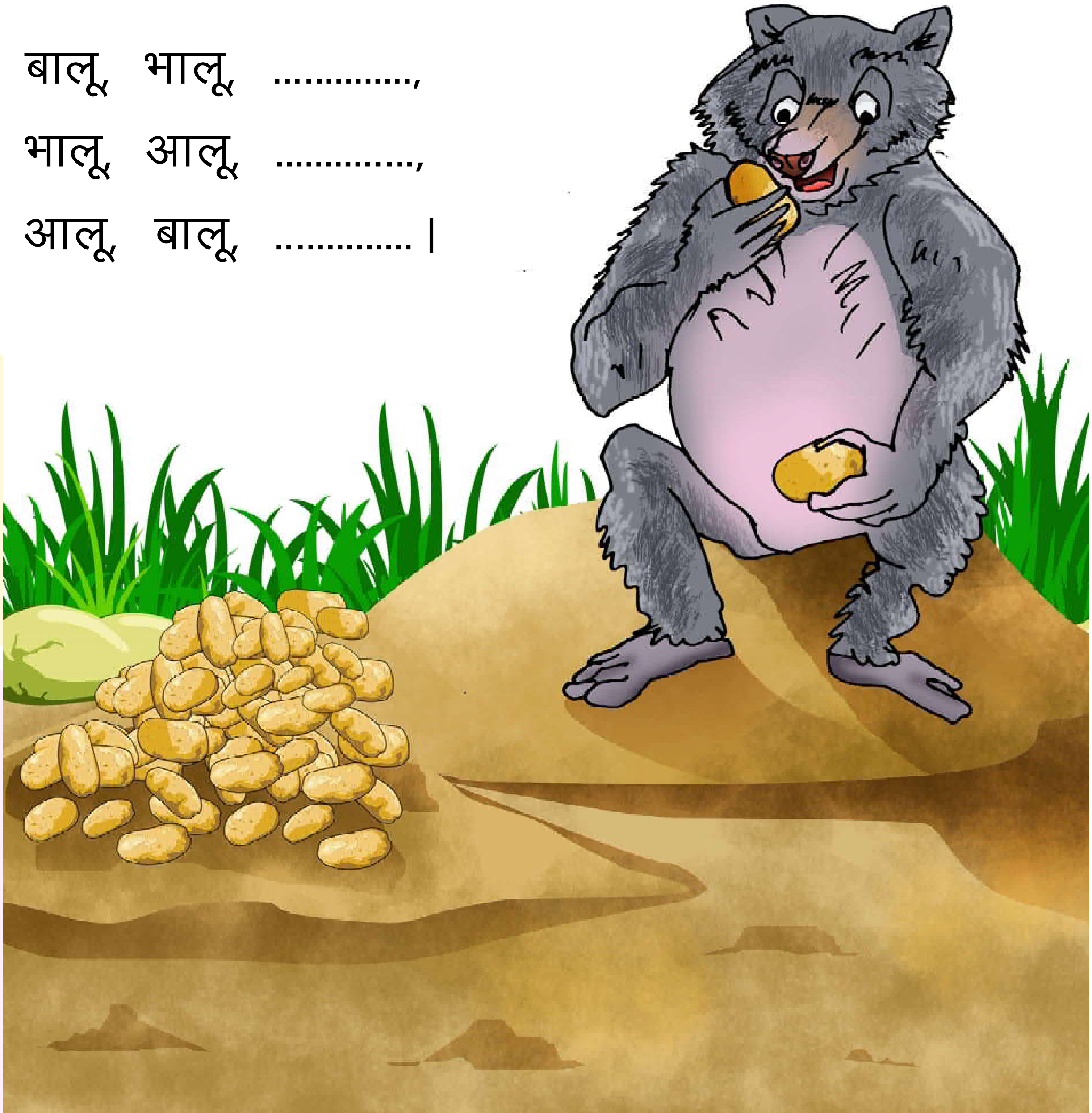

2RAUUL

पाठ–14

इनको भी जानें –

श

शलजम

श | ल | ज | म

क्ष

क्षत्रिय

क्ष | त्रि | य

त्र

पत्र

प | त्र

ज्ञ

ज्ञा | नी

ज्ञानी

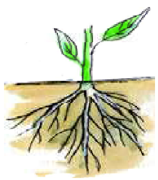

ड़

जड़

ज | ड़

ढ़

ग | ढ़

गढ़

ऋ

ऋषि

ऋ | षि

श्र

श्रमिक

श्र | मि | क

ण

बा | ण

ङ

अः

ञ

1. शब्दों का खेल

1. दिए गए शब्दों को पढ़िए। पहली ध्वनि पहचानिए। अलग ध्वनि से शुरु होने वाले शब्द पर गोला बनाइए –

शलजम	शहद	तालाब	शक्कर
पत्र	ज्ञान	ज्ञाता	ज्ञानी
श्रम	बाण	श्रमिक	श्रवण
त्रिकोण	त्रिशूल	त्रिमूर्ति	जड़

2. नीचे दिए गए शब्दों को लिखिए –

ऋषि	वृक्ष	कृषक ....
ऋतु	मृग	गृह ....

3. नीचे दिए चित्रों के नाम बताइए–

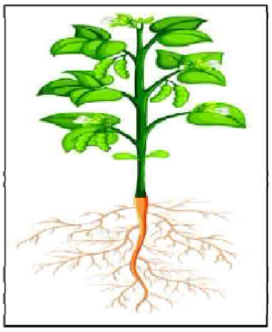
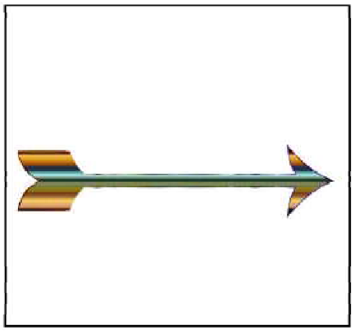
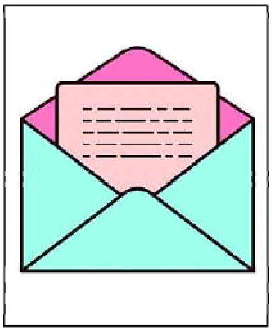

4. नीचे दिए गए शब्दों में 'ऋ' (ृ) की मात्रा लगाकर सही शब्द बनाइए–

मग

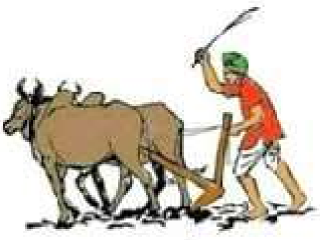
कषक

गह

झटपट कहिए

शालू ने शाम को शाला में शक्कर से शरबत बनाई।

खोजें–जानें

चूजों को
उनकी माँ
तक पहुँचाइए

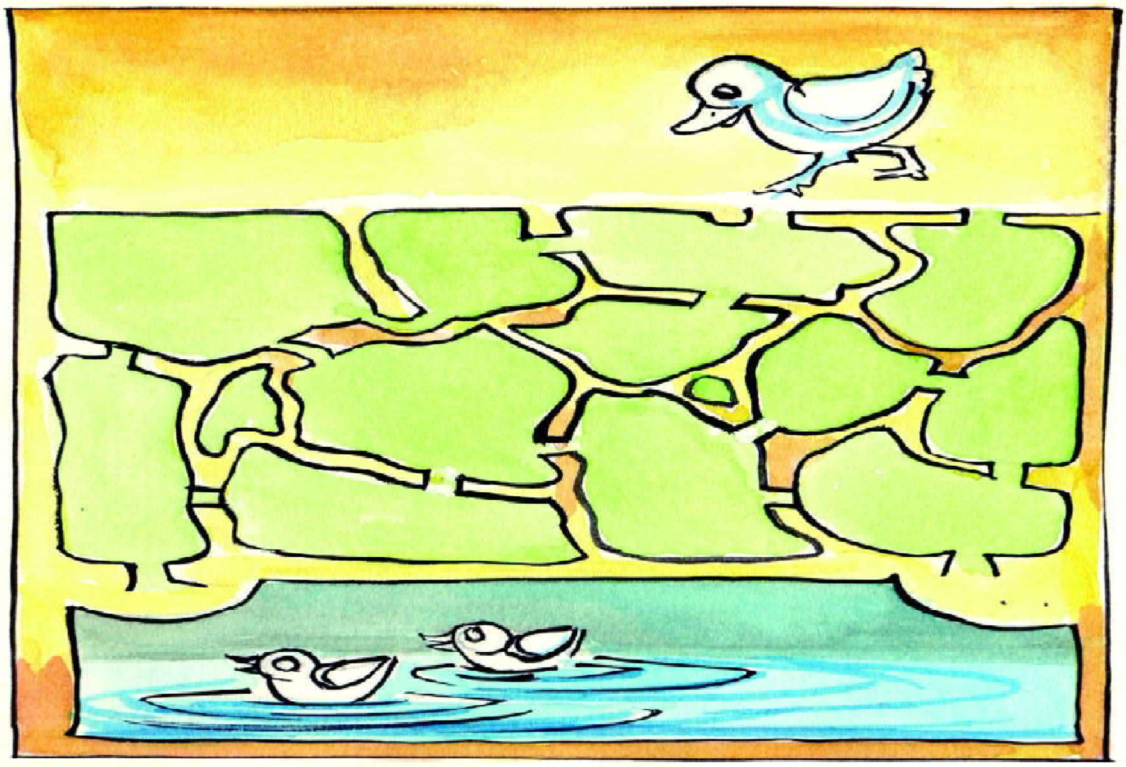

योग्यता विस्तार

'र्' का उपयोग –

नर्स

| न | र् | स |

सर्प

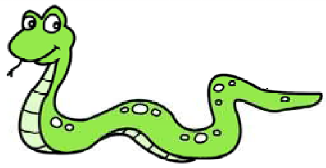

| स | र् | प |

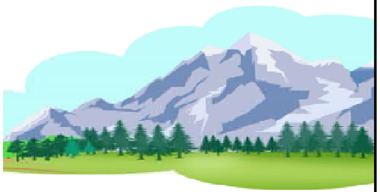

पर्वत

| प | र् | व | त |

दर्पण

| द | र् | प | ण |

समझो –

यहाँ र् (हल् चिह्न के साथ) का अर्थ आधा 'र' है।

पढ़ो –

कर्म	मुर्गा	बर्फ	पूर्ण	कर्ण
चूर्ण	कर्म	वर्षा	कवर्धा	बर्तन
दुर्ग	चर्म	नर्म	गर्म	तर्क

वाक्यों में प्रयोग –

1. मेरा तकिया गर्म है।
2. अपना कार्य पूर्ण करो।
3. मिर्च तीखी है।
4. मार्ग साफ रखो।

टीप – पढ़ते समय छायांकित डिब्बे | न | र | के वर्णों का उच्चारण एक साथ करना है।

‘ ⁄ व ^ ’ का उपयोग –

चक्र

च | क्र

ट्रक

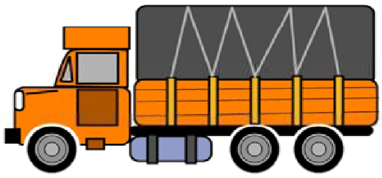

ट्र | क

ब्रश

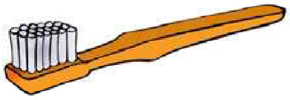

ब्र | श

ड्रम

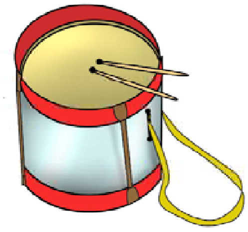

ड्र | म

फ्रॉक

फ्रॉ | क

ट्रेन

ट्रे | न

पढ़ो –

भ्रम	क्रम	उम्र	प्रेम	श्रेय
ब्रेड	वज्र	प्राण	ताम्र	ग्राम

पढ़ो –

1. ट्रक खड़ा है।
2. मैं ब्रश करता हूँ।
3. तुम्हारी उम्र कितनी है?
4. यह फ्रॉक सुंदर है।

समझो –

वर्ण के नीचे हल् चिह्न (्) लगने पर वर्ण अर्धाक्षर बन जाता है।

ट्र –	ट्	र	क्र –	क्	र
ब्र –	ब्	र	फ्रा –	फ्	रा
ट्रे –	ट्	रे	ड्र –	ड्	र

संयुक्ताक्षर	द्वित्व
रिक्शा रि क् शा	कुत्ता कु त् ता
मक्खी म क् खी	बिल्ली बि ल् ली
डॉक्टर डॉ क् ट र	गुब्बारा गु ब् बा रा

टीप – पढ़ते समय छायांकित डिब्बे रि क् के वर्णों का उच्चारण एक साथ करना है।

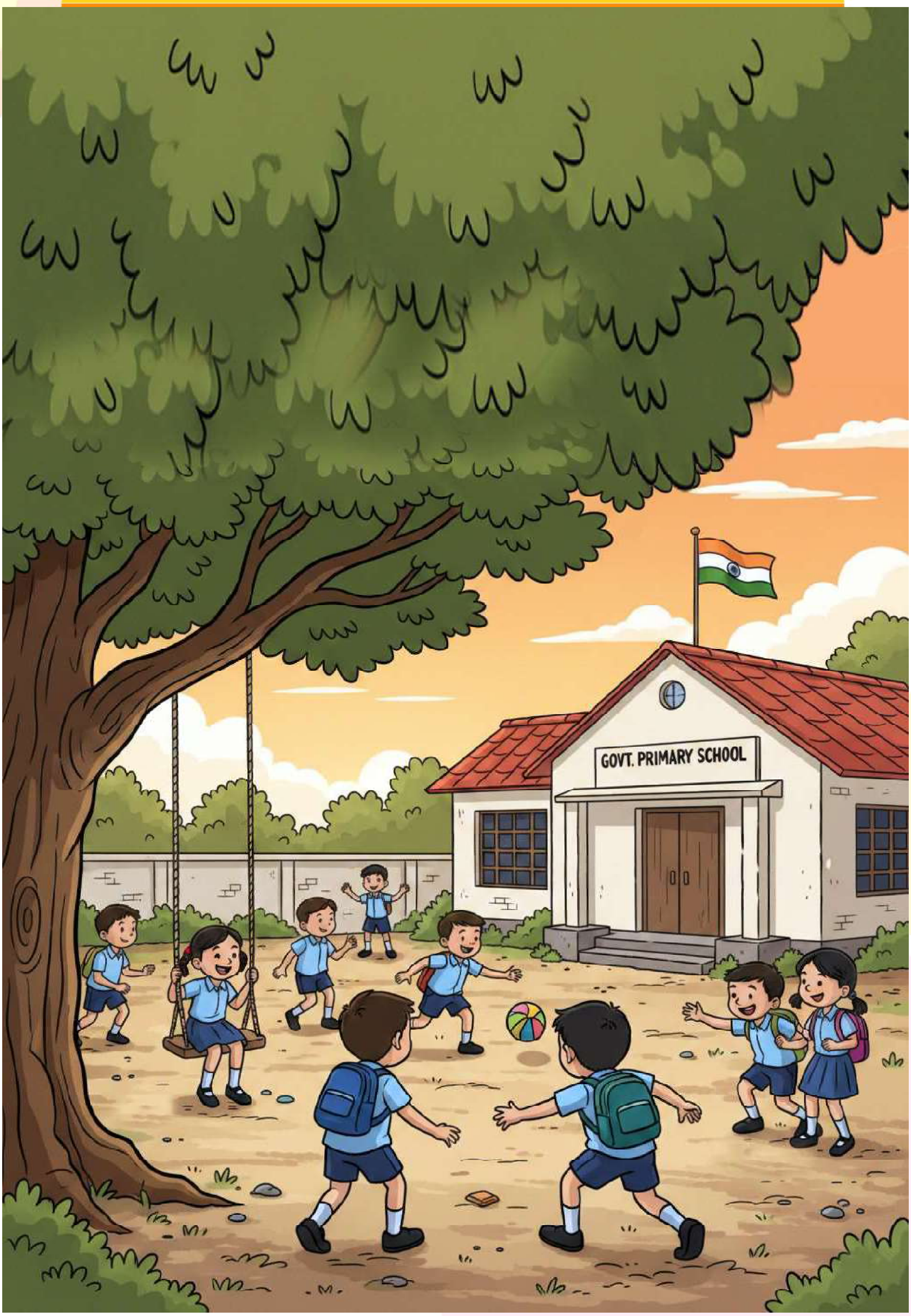
GOVT. PRIMARY SCHOOL

यातायात नियम

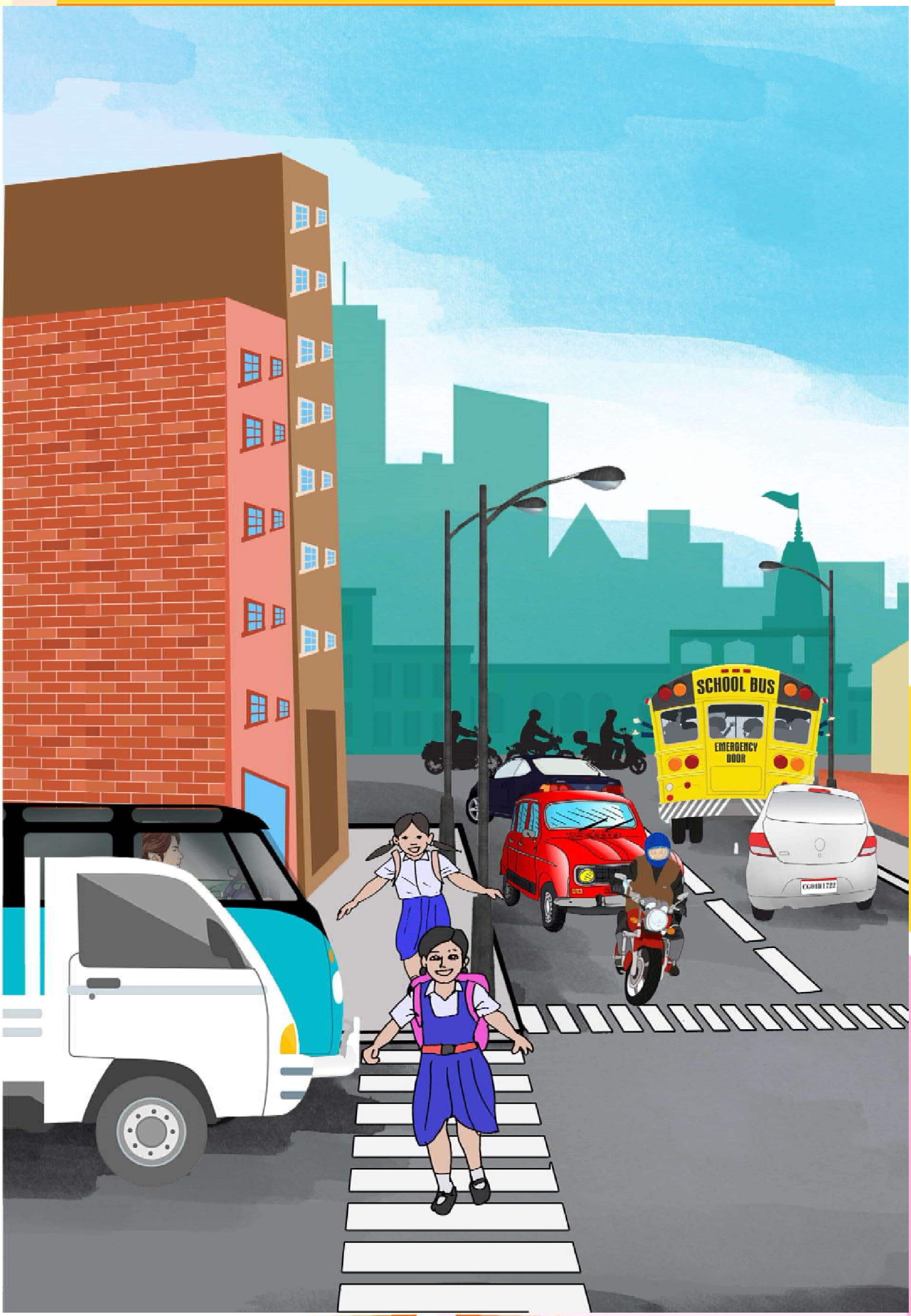
SCHOOL BUS
EMERGENCY DOOR

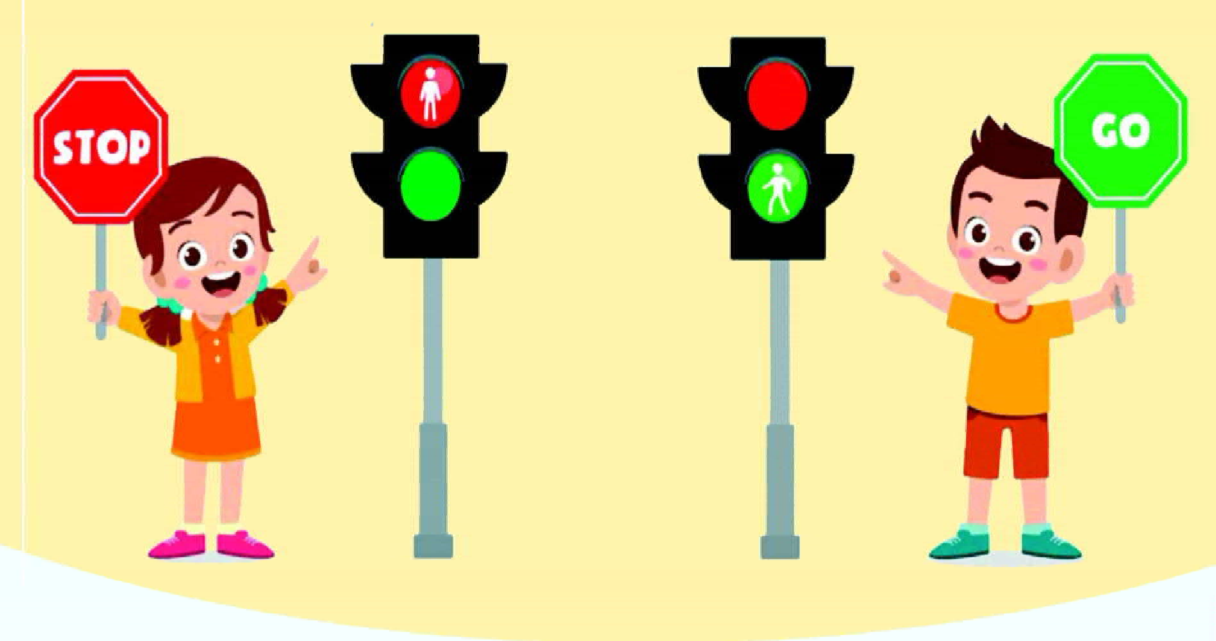
STOP
GO

SCHOOL

वर्णमाला

हिंदी वर्णमाला में कुल 52 अक्षर हैं।

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	_
ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः	
क	ख	ग	घ	ङ		
च	छ	ज	झ	ञ		
ट	ठ	ड	ढ	ण		
त	थ	द	ध	न		
प	फ	ब	भ	म		
य	र	ल	व			
श	ष	स	ह			
क्ष	त्र	ज्ञ				
ड़	ढ़	श्र				

शिक्षण संकेत : वर्णमाला का क्रम बच्चों को याद कराएँ। वर्णों की पहचान व उच्चारण कराएँ। क्ष त्र ज्ञ और श्र से बनने वाले शब्दों का अभ्यास कराएँ।

मात्रा लगती कौन कहाँ ?

े ै ं

ए
ऐ
अं

इ

ि

क ख ग घ ङ
च छ ज झ ञ
ट ठ ड ढ ण
त थ द ध न
प फ ब भ म
य र ल व श
ष स ह
क्ष त्र ज्ञ
ड़ ढ़ श्र

आ ई ओ औ अः

ा ी ो ौ ः

उ
ऊ
_

ु ू ृ

आ	इ	ई	उ	ऊ	_	ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः
ा	ि	ी	ु	ू	ृ	े	ै	ो	ौ	ं	ः

बारहखड़ी

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः
क	का	कि	की	कु	कू	के	कै	को	कौ	कं	कः
ख	खा	खि	खी	खु	खू	खे	खै	खो	खौ	खं	खः
ग	गा	गि	गी	गु	गू	गे	गै	गो	गौ	गं	गः
घ	घा	घि	घी	घु	घू	घे	घै	घो	घौ	घं	घः
च	चा	चि	ची	चु	चू	चे	चै	चो	चौ	चं	चः
छ	छा	छि	छी	छु	छू	छे	छै	छो	छौ	छं	छः

ज	जा	जि	जी	जु	जू	जे	जै	जो	जौ	जं	जः
झ	झा	झि	झी	झु	झू	झे	झै	झो	झौ	झं	झः
ट	टा	टि	टी	टु	टू	टे	टै	टो	टौ	टं	टः
ठ	ठा	ठि	ठी	ठु	ठू	ठे	ठै	ठो	ठौ	ठं	ठः
ड	डा	डि	डी	डु	डू	डे	डै	डो	डौ	डं	डः
ढ	ढा	ढि	ढी	ढु	ढू	ढे	ढै	ढो	ढौ	ढं	ढः
ण	णा	णि	णी	णु	णू	णे	णै	णो	णौ	णं	णः
त	ता	ति	ती	तु	तू	ते	तै	तो	तौ	तं	तः

थ	था	थि	थी	थु	थू	थे	थै	थो	थौ	थं	थः
द	दा	दि	दी	दु	दू	दे	दै	दो	दौ	दं	दः
ध	धा	धि	धी	धु	धू	धे	धै	धो	धौ	धं	धः
न	ना	नि	नी	नु	नू	ने	नै	नो	नौ	नं	नः
प	पा	पि	पी	पु	पू	पे	पै	पो	पौ	पं	पः
फ	फा	फि	फी	फु	फू	फे	फै	फो	फौ	फं	फः
ब	बा	बि	बी	बु	बू	बे	बै	बो	बौ	बं	बः
भ	भा	भि	भी	भु	भू	भे	भै	भो	भौ	भं	भः

म	मा	मि	मी	मु	मू	मे	मै	मो	मौ	मं	मः
य	या	यि	यी	यु	यू	ये	यै	यो	यौ	यं	यः
र	रा	रि	री	रु	रू	रे	रै	रो	रौ	रं	रः
ल	ला	लि	ली	लु	लू	ले	लै	लो	लौ	लं	लः
व	वा	वि	वी	वु	वू	वे	वै	वो	वौ	वं	वः
श	शा	शि	शी	शु	शू	शे	शै	शो	शौ	शं	शः
ष	षा	षि	षी	षु	षू	षे	षै	षो	षौ	षं	षः
स	सा	सि	सी	सु	सू	से	सै	सो	सौ	सं	सः

ह	हा	हि	ही	हु	हू	हे	है	हो	हौ	हं	हः
क्ष	क्षा	क्षि	क्षी	क्षु	क्षू	क्षे	क्षै	क्षो	क्षौ	क्षं	क्षः
त्र	त्रा	त्रि	त्री	त्रु	त्रू	त्रे	त्रै	त्रो	त्रौ	त्रं	त्रः
ज्ञ	ज्ञा	ज्ञि	ज्ञी	ज्ञु	ज्ञू	ज्ञे	ज्ञै	ज्ञो	ज्ञौ	ज्ञं	ज्ञः

शिक्षण संकेत : बारहखड़ी का क्रम बच्चों को याद कराएँ। वर्णों की पहचान व उच्चारण कराएँ।

परिशिष्ट

विभिन्न भाषाओं में शब्दावली

हिन्दी	छत्तीसगढ़ी	सरगुजिहा	कुँड़ुख	हल्बी	गोंडी (कांकेर)	गोंडी (दन्तेवाड़ा)
कौआ	कउँवा	कउंवा	कउवां	कावरा	कर्रवाल	काकड
तोता	सुआ, मिट्ठू	सूगा	सुगा	रूपु	हिड़	किरयाड
कबूतर	परेवा	परेंवा	पेरवां	परेवाँ, परेयाँ	पारेवा	बोड़े
उल्लू	घुघुवा, घर खुसरा	खूसर	पेच्चा	कुरवाँ	कुरवाल	कुंज
कोयल	कोइली	कोयली	कुहू	कोयली	कोवल	कोवल
गौरैया	बाम्हन चिरई	गोरेला	चोरो	चटेया	कोड़का	विज्जा पिट्टे
मुर्गा	कुकरा	कुकरा	कोकरो	कुकड़ा	कोरई	गोगोड़
मोर	मँजूर	मंजूर	मिंजुर	मंजुर	मल्ल	मलन
बिल्ली	बिलई	बिलाई	बेरख़ा	बिलइ	बीलाय	पुसाल
कुत्ता	कुकुर	कुकुर	अल्ला	कुकुर	नय	नय
घोड़ा	घोड़ा	घोड़ा	घोड़ो	घोड़ा	कोडा	गुराम
बकरी	छेरी, बोकरी	छेरी	एड़ा	छेरी	एट	मेका
भैंस	भंइसी	भांइस	भैंस	भईस	बैंस, बागर	बरे
गाय	गाय	गरू	गाय	गाय	टाली	गोड़
भेड़	भेंड़ी	भेड़ी	भेन्डो	मेण्डि	बेड़	मेंड़ा
हिरन	हइना, हइरना	हरिन	चितरा	चितर	चितराल	लूप
हाथी	हांथी	हाथी	हथी	हाति	हत्ती, ऐनी	एन
बंदर	बेंदरा	बन्दरा	बंदरा	बेन्दरा, माकड़	मूँज,	कोवे
बाघ	बघवा	बघवा	डुक्का	बाग	नीर्राल	डुवाल
सिंह	सेर	बघवा	लकड़ा	सिंग	बुर्रकाल	डुव
भालू	भलवा, भालू	भलूवा	मेढ़ोहोभलु	भालु	अड़ज, एड़ज	एड़ज

विभिन्न भाषाओं में शब्दावली

हिन्दी	छत्तीसगढ़ी	सरगुजिहा	कुँडुख	हल्बी	गोंडी (कांकेर)	गोंडी (दन्तेवाड़ा)
चीता	चितवा	चितवा	चीता	डुरका	डुवाल	कुकाल
केला	केरा	केरा	केड़ा	केरा	केड़	केड़ा
आम	आमा	आमा	टटख़ा	आमा	मर्रका	आंबा
सीताफल	छीताफल,सीताफल	सीताफल	बड़हर	छिता पाक, चिता पाक	सीता पंड	सीतापंडी
अंगूर	अंगुर	अंगूर	अंगुर	अंगूर	अंगुर पंड	अंगूर
पपीता	अरन पपइ	मेवा	पपाया	पोपई, पोपया	पोपोया	कोपे
संतरा	सांतरा	संतरा	संतरा	कमला पाक	संतेरा	कमला
तरबूज	कलिंदर	खरबुजा	तरबुज	तरबुज	कलींदर	तरबूज
आलू	आलू	आलू	आलू	आलू	अल्लु	आलू
बैंगन	भाँटा	भंटा	भेटांगों	बांगा	हापा	आपा
टमाटर	पताल, बंगाला	बिलोती	भिजरी,पताल	मांडो बांगा	बोंगेला	वंगा
मटर	बउटरा, मटर	बटुरा	मटर	बटरा चना	बडरा	मटर
भिंडी	रमकेलिया	रमकलिया	भिंडी	भेण्डि	बेंड	भिंडी
मूली	मुरई	मुराई	मुरई	मुरा	मूला, मोला	मूरा
बैल गाड़ी	बैइला गाड़ी	बैलगाड़ी	अड्डोगड़ी	बयलागाड़ी	बूडलगाडा	कोंदा गाड़ी
सायकल	सायकिल	साइकिल	सइकिल	साइकल	सायकेल	सायकिल
कार	कार, मोटर	कार (मोटर)	कार	कार	जीप	कार
रेलगाड़ी	रेलगाड़ी	रेल गाड़ी	रेल गड़ी	रेल गाड़ी	रेल	रेल गाड़ी
नाव	डोंगा	डोंगा	डोंगा	डोड़•गा	डोंगा	ओढ़ा
जहाज	जिहाज	जहाज	जहाज	जाहाज	जहेज	गुडा जहाज
हवाई जहाज	हवई जिहाज	हवाई जहाज	हवई जहाज	हवइ जहेज	वड़ जहेज	हवाई जहाज
गमला	गमला	गमला	गमला	गमेला, गमला	गमला	गमला

विभिन्न भाषाओं में शब्दावली

हिन्दी	छत्तीसगढ़ी	सरगुजिहा	कुँडुख	हल्बी	गोंडी (कांकेर)	गोंडी (दन्तेवाड़ा)
फूलों वाला	फूल वाला	फूलकर	पूंप गहि	फूल बिता	पुंगह बिताल	फुगारिनोर
लाओ	लान	लान	ओंदरआ	आना	ताट	तरा
घर–आँगन	घर अँगना	घर अंगना	चाली–बाली	घर दुआर	लोन रच्चा	लोन द्वार
महकाओ	महमहावव ममहावन	महकावा	महकारतआ	माहकावा	दैंगहाट	महकाकिम
नल	नल	नल	टूँटी	नल	बोरिंम सुआ	नल
पानी	पानी	पानी	अम्म	पानी	एर्र	एर
पौधों की	बिरवा के, पौधा	के पौधा कर	खोप्पा ही	बुटा मन चो	पोदेला ना	कर्रेनिक
प्यास बुझाओ	पियास बुता	पियास बुझावा	ओन्का, बोंगतःआ	पियास बुतावा	एर्र ऊहाट	जीवादड़दाड़
मछली	मछरी	मछरी	इंजो	मछरी	मीन	किके
देखो	देखव	देखा	एरा	दखा	हूड़ाट	उड़ातु
आओ–आओ	आवै–आवौ	आवा–आवा	बरा–बरा	इया–इया	वाट–वाट	वराट वराट
रस्सी कूदो	रस्सी/डोरी कूदन,डोरी कूद	डोरा कूदा	एपती डेगआ	डोरी कूदा	डोर ते डेवाट (बहुवचन)	मोरस लगाट
नाचो	नाचव	नाचा	नला	नाचा	एन्दाट	एदांट
गाओ	गावव	गावा	पाड़ा	गाहा	पाटा ओम्ट,	पराठ
आजा	आव	आजा	बरा	आव	वाय	वरा
मामा	ममा	ममा	ममू	मामा	मामा	मामा
बाजा	बाजा	बाजा	बजा	बाजा	बाजा नेकह्ना	डोल
नाच	नाचा	नाचा	नला	नाच	एन्दा	ऐंदा
खट्टी	अम्मट	अमठ	तिस्सा	टिरका	हवीयले, टीर्रका	पुल्ला
इमली	अमली	अमली	तेताली	अमली, तेतर	हित्ता	ईत्ता
मीठी	मीठ	मीठ	तीनना	मीठ	मिठास, मिरंगले	मिंगता

विभिन्न भाषाओं में शब्दावली

हिन्दी	छत्तीसगढ़ी	सरगुजिहा	कुँडुख	हल्बी	गोंडी (कांकेर)	गोंडी (दन्तेवाड़ा)
ईख	कुसियार	कुसियार	कतारी,कुसारी	डांडा	डांडा	गुड़डांडा
चरती	चरय	चरत	मिना	चरे	मैसोर, मैययता	मेयिता
बकरी	छेरी, बोकरी	छेरी	एड़ा	छेरी	एट	मेका
वन	बन, जंगल	जंगल	जंगल,तोड़ंग	रान, बन	कोट्टुम	गुफा
बीच	बीच	मझार	मझी	मंजार, मंजि	नडुम, नवडे	नड़मा
पपीता	अरन पपइ	मेवा	पपाया	पोपाइ, पोपाया	पोपोया	कोपे
खाएँ	खावव	खाए	मोखोत	खाओत	तिनिट	तिंता
हम	हमन	हमन	नाम	आमि	माट	मोम
तबला	तबला	तबला	तबला	तबला	तबला	तबला
खूब	बिक्कट	ढ़ेर	मुरूख	खुबे, जुगे	वल्लोक, सैयगो	नकेय
बजाएँ	बजाबो	बजाय	अस्सोत	बजाओत	नेकहीट	पेहसतोर
रंग–बिरंगी	रंग–बिरंग	रिकिम–रिकम रंग	रिंगी–चिंगी	रंगीन, रंग–रंग चो	रंग–रंगनंग, रंगी–रंगीना	रंग–रंगता
प्यारी	सुग्घर, मयारू	पियारी	चोन्हा	लाडरी	लाडो	नलोड़ा
तितली	तितली, तितरी	फिफली	पपला	फिलफिली	पीपिड़	गुगे
सबके	सब्बो, सबके	सबकर	ओरमरही	सबचो	सोपोतां	जमय
मन	मन	मन	जिया	मन	गोक, बिचर	मन
भाती है	बने लगथे	भाएल	बढ़िया लगदिन	भाये, भाए	वसयता	ओपिता
फूल	फूल	फूल	पूंप	फुल	पुंगार्र	फूंगार
रस	रस	रस	रासी	रस	जम्मा	रस
लेती है	लेथे	लेहेल	हुअदिन	धरु आय	एतयता	ओता
ललचाती है	ललचाथे	ललचायल	लुभा, बअदिन	लोबाये, लाभाये	लाले मायता, लालेच किययता	ललचाकिता

विभिन्न भाषाओं में शब्दावली

हिन्दी	छत्तीसगढ़ी	सरगुजिहा	कुँडुख	हल्बी	गोंडी (कांकेर)	गोंडी (दन्तेवाड़ा)
भालू	भलुवा	भलूवा	भलु, मेंड़हो	भालू	अड़्ज, एड़्ज	एड़ज
ऐनक	तसमा, चसमा	चसमा	चश्मा	चचमा	कोंडंग, चचमा	पिटेकोड़ा
लड़की	टूरी, नोनी	छौड़ी	कुके	लेकी	पेड, नूनी	पिकी
जंगल	बन	बन	जंगल, तोड़ंग	रान	कोटुम	गुफा, गुप्पा
घर	घर	घर	एड़पा	घर	लोन, कुरमा	लोन
कपड़ा	ओनहा	ओढ़ना	किचरी	कपड़ा, फटइ	गेतिल	गिसिड़
आँख	आँखी	आँएख	खन्न	आँइख	कोन्डा	कोडर
देखना	देखई	ताकना	एरना	दखतोर	हूड़ाना	उड़नेद
अचंभा	अचम्भो	अचम्हों	अचरज	अचकचे		
अनोखा	लोखन के	अजब	गजब	एकट, सोबले, गड़हेन		